हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 291, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 अप्रैल, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

दलितों, पीड़ितों, शोषितों और वंचितों की आवाज बनकर उभरे डा. आंबेडकर : योगी

मुख्यमंत्री ने बाबासाहब के जन्मदिवस पर उनके चित्र पर किया माल्यार्पण

लखनऊ। बाबासाहब डा. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंबेडकर महासभा भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी की विकृतियों से भारतीय समाज भी अछूता नहीं रहा है।

उस कालखंड में दलितों, पीड़ितों, शोषितों और वंचितों की आवाज बनकर डा. भीमराव आंबेडकर उभरे। दुनिया के सबसे बड़े संविधान की रचना कर उन्होंने एक नए युग का सूत्रपात किया। उन्हें उन विकृतियों, सामाजिक कुरीतियों का आजीवन सामना करना पड़ा जो भारतीय समाज को सदैव कमजोर करती रहीं। इसके बावजूद उन्होंने गरीबों, शोषितों की आवाज को धार देने के अपने मिशन पर आजीवन कार्य किया। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को ध्यान में रखकर ही 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का केंद्र सरकार ने निर्णय किया। योगी ने कहा कि आंबेडकर के नाम पर राजनीति तो बहुत लोगों ने की लेकिन उनसे जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही किया।

आंबेडकर महासभा के प्रस्ताव को ध्यान में रखकर जून 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों राजधानी लखनऊ में डा.भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र की आधारशिला रखी गई। इसका निर्माण अंतिम चरण में है और जल्द ही लखनऊवासियों को यह उपहार स्वरूप मिलेगा। योगी ने कहा कि बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ गरीबों और वंचितों को उपलब्ध कराना ही मानवता की असली सेवा है और यह काम केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने किया है। उन्होंने आंबेडकर महासभा के पदाधिकारियों को डा. आंबेडकर की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने और उनके मिशन को आगे बढ़ाने के लिए साधुवाद दिया। कहा कि महासभा के कार्यों से प्रभावित होकर ही राज्य सरकार ने निर्णय किया कि जिस गरीब के पास जमीन का पट्टा नहीं होगा, उसे वह जमीन का पट्टा उपलब्ध कराएगी। आज प्रदेश में हर घर नल योजना से एक करोड़ परिवार अच्छादित किए जा चुके हैं। पहले गरीबों को पानी के लिए भटकना पड़ता था। आज कोई किसी दलित को पीड़ित नहीं कर सकता है। सरकार जियो और जीने दो के सिद्धांत पर चल रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर जाकर बाबासाहब को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

'संकटमोचक' की भूमिका में कमलनाथ, पायलट और गहलोत की लड़ाई में बीच का रास्ता निकालने में जुटी पार्टी

नई दिल्ली। सचिन पायलट के उपवास के बाद से राजस्थान कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। एक बार फिर पार्टी दो खेमे में बंटी दिख रही है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ को पार्टी की राजस्थान इकाई में उत्पन्न स्थिति के समाधान के लिए बड़ी जिम्मेदारी मिली है। कमलनाथ को मध्यस्थ की भूमिका निभाने का काम सौंपा गया है। कमलनाथ ने कांग्रेस संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ गुरुवार को अपने तर्कों पर चर्चा करने के लिए पायलट से मुलाकात की। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम ने उन्हें बताया कि उनका उपवास केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देशित था और पार्टी विरोधी नहीं था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों की मानें तो बैठक भले ही सौहार्दपूर्ण रही, लेकिन इसमें से कुछ भी ठोस नहीं निकला। दूसरी ओर कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से राजस्थान मुद्दे पर चर्चा के लिए दो दिनों में दूसरी बार मुलाकात की। उन्होंने मामले पर चर्चा करने के लिए राहुल गांधी से भी उनके आवास पर मुलाकात की थी। पायलट के करीबी नेताओं ने तर्क दिया है कि उनका उपवास "पार्टी विरोधी" नहीं कहा जा सकता है।

बड़ागांव इलाके से एसटीएफ ने दो को उठाया असद को छिपने में की थी मदद, गाड़ी भी दी

झांसी। मुठभेड़ में मार गिराया गए पांच लाख के इनामी बदमाश असद और शूटर गुलाम के मददगार के तौर पर एसटीएफ ने बड़ागांव इलाके से दो लोगों को उठाया है। पूछताछ के लिए एसटीएफ पहले उनको बड़ागांव थाने ले आई। यहां से उनको फिर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। पुलिस का कहना है असद यहां पिछले दो दिन से छिपा हुआ था। उसको यहां छिपने में इन लोगों ने मदद की थी। इन लोगों ने उसको छिपने की जगह दिलाने के साथी एक गाड़ी भी उपलब्ध कराई थी। एसटीएफ उनसे अतीक और उमेश पाल हत्याकांड में फरार अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है। एसटीएफ को अंदेशा है कि इन लोगों ने ही दूसरे बदमाशों को भगाने में मदद की है।

अतीक-अशरफ को छुड़ाने के लिए काफिले पर हमला करना चाहता था असद- एसटीएफ ने गुरुवार दोपहर माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को एनकाउंटर में मार गिराया। असद अहमद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर के बाद यूपी पुलिस के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी को प्रमुख गवाह उमेश पाल की हत्या के मामले में आरोपियों की पहचान कर उनके पीछे पुलिस टीम लगाई गई थीं। हत्यारोपियों को ढेर कर दिया गया है। उन्होंने कहा है कि अतीक और अशरफ को छुड़ाने के लिए पुलिस काफिले पर असद हमला करना चाहता था।

अतीक अहमद का तीसरे नंबर का बेटा था असद- झांसी में पुलिस एनकाउंटर में मारा गया असद अहमद के तीसरे नंबर का बेटा था। बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में बंद है। दूसरे नंबर का अली नैनी जेल में है। चौथे और पांचवे नंबर के नाबालिग बेटे बाल सुधार गृह राजरूपपुर में हैं।

शूटर गुलाम का परिवार नहीं लेगा उसका शव, मां बोली- यूपी एसटीएफ ने ठीक किया, हर अपराधी लेगा सबक

प्रयागराज। असद के साथ एनकाउंटर में मारा गया गुलाम हसन भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष राहिल हसन का भाई है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद राहिल हसन को भी पुलिस ने हिरासत में लिया था और करीब 14 दिन तक पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया था। गुलाम की मुठभेड़ में मौत के बाद उसके भाई राहिल हसन ने कहा कि वह गुलाम हसन का शव नहीं लेंगे। वह आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था। उसने हमारे परिवार की छवि को मिट्टी में मिलाने का कार्य किया है। इसलिए हम उसके शव को नहीं लेंगे। वहीं गुलाम की मां खुशनुदा ने कहा कि, जितने भी गंदा काम करने वाले हैं वह जिंदगी भर याद रखेंगे। हमारे हिसाब से (UP-STF ने) गलत नहीं किया। तुमने किसी को मारकर गलत किया और जब तुम्हारे पर कोई आया तो हम उसको गलत कैसे कहें? मैं शव को नहीं लूंगी। उसकी पत्नी का उन पर हक है, मैं उसको मना नहीं कर सकती। मैं अपनी जिम्मेदारी लेती हूं कि हम नहीं लेंगे। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी पांच लाख के इनामी शूटर असद अहमद और गुलाम हसन को पुलिस ने झांसी में मुठभेड़ में मार गिराया। गुलाम हसन वही शख्स है जो उमेश पाल की हत्या के पहले उनके घर के पास एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर खड़े होकर सामान खरीदने का नाटक कर रहा था। जैसे ही उमेश पाल पहुंचते हैं वह उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगता है। गत दिनों गुलाम के रसूलाबाद स्थित घर को पुलिस और पीडीए ने बुलडोजर से जमींदोज कर दिया था।

उधमपुर में बैसाखी मेले के दौरान बड़ा हादसा चिनैनी में टूटा पुल, 50 से ज्यादा लोग घायल

जम्मू। जम्मू संभाग के जिला उधमपुर बैसाखी के पर्व पर बड़ा हादसा हो गया है। जिले के चिनैनी में बैसाखी मेले के दौरान पुल टूट गया। देविका और तवी नदी के संगम स्थल बैनी संगम में बैसाखी का मेला आयोजन किया गया था। यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। इस दौरान देविका नदी पर बना लोहे का पुल क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। आनन-फानन घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। एसएसपी उधमपुर डॉ. विनोद ने बताया कि पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। इससे पहले गुरुवार को पुंछ के गांव खनेतर में एक पशुशाला के छत गिरने से 35 महिलाएं घायल हो गईं हैं। लोगों ने उन सभी घायलों को राजा सुखदेव सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन महिलाओं का गंभीर चोटें आने के कारण उपचार जारी है। जबकि, बाकी सभी महिलाओं को मरहम पट्टी कर देर शाम तक घर भेज दिया गया। हादसे का पता चलते ही उपायुक्त इन्द्रजीत, तहसीलदार अंजुम बशीर खटक और एसएचओ रंजीत सिंह राव भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हाल जाना। जानकारी के अनुसार खनेतर निवासी रफीक हुसैन शाह का पुत्र रिफत करीब एक महीने से किसी गंभीर रोग से पीड़ित था। उसका उपचार कश्मीर के एक अस्पताल में चल रहा था। बुधवार दोपहर उपचार के दौरान उसका निधन हो गया था। वीरवार आज सुबह चार बजे उसका शव घर लाया गया तो रिश्तेदारों एवं ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। इस बीच दोपहर करीब 11 बजे जब रिफत का जनाजा निकाला तो पुरुष जनाजे के साथ चल दिए। ऐसे में घर में मौजूद सैकड़ों महिलाएं घर के आगे स्थित पशुशाला के लिंटर पर जनाजा देखने जमा हो गईं। पशुशाला का लिंटर पुराना एवं कच्चा था तो एक साथ अधिक भार पड़ने से भरभरा कर गिर गया। इससे लिंटर पर मौजूद महिलाएं एक के ऊपर गिरीं।

यूपी में उड़ाई जा रही है कानून की धज्जियां', असद के एनकाउंटर पर डिंपल का योगी सरकार पर वार

नई दिल्ली। झांसी में हुए असद और गुलाम के एनकाउंटर केस पर सपा सांसद डिंपल यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। डिंपल ने कहा- यूपी में लगातार कई फेक एनकाउंटर्स हो रहे हैं। प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। भारत एक लोकतांत्रिक और प्रजातांत्रिक देश है। डिंपल ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा- भारत एक लोकतांत्रिक और प्रजातांत्रिक देश है, जिसके तहत देश चलता है। इन सभी नियम और कानूनों की उत्तर प्रदेश में लगातार धज्जियां उड़ाई जा रही है। वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को ट्वीट कर भाजपा सरकार पर तंस कसते हुए कहा की "भाजपा भाईचारे के खिलाफ है"। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा- 'झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आज के व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है।' 24 फरवरी

को राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल और उसके दो सरकारी गनर को सरेआम अपराधियों ने गोलियों से भून दिया। पुलिस ने जांच शुरू की तो सीसीटीवी कैमरों में माफिया अतीक अहमद का बेटा असद, गुलाम, साबिर, अरमान और विजय चौधरी उर्फ उस्मान गोलियां चलाते हुए नजर आए। गुड्डू मुस्लिम ने बम बरसाए थे।

एम्स गुवाहाटी और तीन मेडिकल कॉलेजों का प्रधानमंत्री मोदी ने किया उद्घाटन

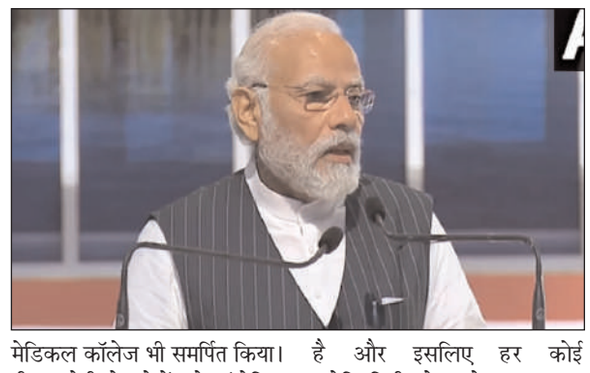

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एम्स गुवाहाटी और तीन मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमने नॉर्थ-ईस्ट को पहला एम्स दिया है। पिछली सरकारों ने असम के लिए कुछ नहीं किया। इसके बाद प्रधानमंत्री गुवाहाटी उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जयंती समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू, राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने मई 2017 में एम्स गुवाहाटी की आधारशिला रखी थी। इसे 1120 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। एम्स उत्तर-पूर्व के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराएगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने देश को 500 बेड वाले तीन मेडिकल कॉलेजों यानी नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, नागांव मेडिकल कॉलेज और कोकराझार मेडिकल कॉलेज भी समर्पित किया। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तर-पूर्व को अपना पहला AIIMS और असम को 3 नए मेडिकल कॉलेज मिले हैं। IIT-गुवाहाटी के साथ मिलकर आधुनिक रिसर्च के लिए 500 बिस्तर वाले सुपर स्पेशलिटी वाले अस्पताल का भी शिलान्यास हुआ है। असम के लाखों-लाख साथियों तक आयुष्मान कार्ड पहुंचाने का काम मिशन मोड पर शुरू हुआ है। पिछले नौ साल में हमने इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और इसलिए हर कोई कनेक्टिविटी से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की बात करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कल नई बीमारी देखने को मिल रही है। मैं देश में कहीं भी जाता हूं और 9 वर्षों में हुए विकास की चर्चा करता हूं तो उससे कुछ लोगों को परेशानी हो जाती है। वह शिकायत करते हैं कि दशकों तक उन्होंने भी देश पर राज किया, उन्हें श्रेय क्यों नहीं मिलता। श्रेय के भूखे लोगों और जनता पर राज करने की भावना ने देश का बहुत अहित किया है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली पर संकट, एलजी ने रोकी बिजली सब्सिडी की फाइल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की बिजली मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता में कहा कि उपराज्यपाल द्वारा फाइल को मंजूरी नहीं देने के कारण दिल्ली के 46 लाख परिवारों की बिजली सब्सिडी रुक जाएगी। दिल्ली की जनता द्वारा चुनी हुई अरविंद केजरीवाल सरकार दिल्लीवासियों को प्रति माह दो सौ यूनिट तक निशुल्क और 201 से चार सौ तक 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। वकीलों, किसानों, 1984 के सिख विरोधी दंगे के पीड़ित परिवारों को भी बिजली सब्सिडी दी जाती है। सोमवार से उपभोक्ताओं को भेजे जाने वाले बिजली बिल में कोई सब्सिडी नहीं रहेगी। अरविंद केजरीवाल सरकार ने कैबिनेट में इस वित्त वर्ष में भी सब्सिडी देने का निर्णय लिया था, लेकिन उपराज्यपाल उस फाइल को लेकर बैठ गए हैं। उपराज्यपाल के पास फाइल भेजी गई थी, वहां से फाइल वापस नहीं आने तक सब्सिडी का पैसा सरकार जारी नहीं कर सकती है। पैसे होने के बाद भी सरकार लोगों को सब्सिडी नहीं दे सकेगी। शुक्रवार सुबह टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड और उसके बाद बीएसईएस की दोनों कंपनियों ने उनके पास पत्र लिखकर कहा है

कि उसके पास सब्सिडी की कोई सूचना नहीं है, इसलिए वह सामान्य बिलिंग शुरू करनी होगी। टीपीडीडीएल से पत्र आते ही वह तुरंत उपराज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगी लेकिन 24 घंटे में भी वह चुनी हुई सरकार के मंत्री को पांच मिनट का समय नहीं दिया है। सरकार को फाइल भी वापस नहीं भेजी गई है।

'दीदी' बंगाल की जनता के लिए काम नहीं करतीं, उनका एकमात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है: शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दीदी बंगाल की जनता के लिए काम नहीं करतीं। उनका लक्ष्य बंगाल की जनता का कल्याण नहीं है। उनका एक मात्र लक्ष्य अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। शाह का यह दौरा अगले महीने होने वाले ग्रामीण चुनावों से पहले हो रहा है। इस दौरे का उद्देश्य संगठनात्मक तंत्र को मजबूत करना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दीदी के शासन में बंगाल बम धमाकों का सेंटर बन चुका है। अभी-अभी NIA ने बीरभूम में 80 हजार से ज्यादा डेटोनेटर और 27 हजार किलो अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया है। अगर NIA ने ना पकड़ा होता तो कितने लोगों की जान बम धमाकों में जाती, कोई नहीं गिन सकता।

बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों को अब भी लग रहा है कि आने वाले चुनाव में वे BJP पर आक्रमण करेंगे तो वे कान खोल कर सुन लें कि आपकी हालत भी अनुब्रत मंडल जैसी होगी। मैं अपने नेता से कहूंगा कि- बंगाल में सबसे ज्यादा घुसपैठ की समस्या है, बंगाल से आपको बुआ-भतीजा का राज खत्म करना होगा। अमित शाह करीब 12:40 बजे पश्चिम बर्धमान के अंडाल एयरपोर्ट पर पहुंचे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

सूरी में जिला पार्टी कार्यालय का करेंगे उद्घाटन- राज्य भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "अमित शाह दोपहर में बीरभूम में एक जनसभा करने वाले हैं। वे सूरी में जिला पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। वह शाम को बाद में शहर आएंगे और दक्षिणेश्वर मंदिर जाएंगे, जहां वे पूजा-अर्चना करेंगे।" बाद में शाम को वह राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे और शहर के एक होटल में संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे।

'प्रवास' अभियान के तहत बंगाल पहुंचे शाह- बंगाल में शाह का कार्यक्रम देश की उन 144 लोकसभा सीटों पर अपने संगठन को मजबूत करने के लिए भाजपा के 'प्रवास' अभियान का हिस्सा है जिसे वह 2019 के आम चुनाव में मामूली अंतर से हार गई थी। पार्टी ने 2019 के चुनाव में बंगाल की कुल लोकसभा 42 सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी।

अबे सब कुछ तो बरबाद होय गवा, अब बचा का; एतन प्रापर्टी रहय के बादउ अपने औलाद के नय बचाय पावा: अतीक

नैनी। सेंट्रल जेल नैनी में पहुंचने के बाद अतीक निढाल होकर जमीन बैठा रहा। करीब चार बजे उसने बैग से दवा निकाली और काफी देर तक हाथ में लेकर उसे देखता रहा। कुछ देर बाद पानी के साथ दवा खाई, लेकिन फिर दीवार से टेक लगाकर बैठ गया। वहीं, अशरफ ने रोजा खोला मगर कोई निवाला मुंह से नहीं निगला।

सब कुछ तो बरबाद हो गया...- असद के एनकाउंटर में मारे जाने से अतीक टूट गया। वह प्रिजन वैन में विक्षिप्त जैसी हरकत करता रहा। इससे पहले कोर्ट में पेशी के बाद जब अतीक को नैनी जेल परिसर में लाया गया तो वह बार-बार अशरफ की तरफ देखकर यह कहता रहा कि...अबे सब कुछ तो बरबाद होय गवा, अब बचा का। एतन प्रापर्टी रहय के बादउ अपने औलाद के नय बचाय पावा। प्रिजन वैन में अतीक और अशरफ एक दूसरे को कभी देखते तो कभी पैर के अंगूठे से वैन की फर्श को कुरेदते रहे। कब जेल के अंदर दाखिल हो गए उन्हें कुछ समझ में नहीं आया। वैन का ताला खुलने के बाद सिपाहियों ने कई बार उसे बाहर निकलने के लिए कहा तब जाकर उनका ध्यान भंग हुआ। भारी कदमों से वैन की सीढ़ी से उतरते हुए उसने फिर दोहराया सब कुछ तो बर्बाद होय गवा बे। गेट पर फौरी कार्रवाई होने के बाद वह सीधे अतिरिक्त बैरेक में चला गया और दीवार से टेक लगाकर निढाल अवस्था में बैठा रहा। बताया जाता है कि वैन में अशरफ ने कई बार भाई अतीक हाथ पकड़ा और समझाने का प्रयास किया। लेकिन सलाखों के पीछे सीसीटीवी कैमरे से अतीक की हालत विक्षिप्त जैसी दिखी। उधर, अशरफ रोजा रखने के बाद भी बिस्तर पर नहीं लेट सका। कमरे में कभी बैठता कभी खिड़की से बाहर झांकता। उसकी नजरें जैसे जेल में किसी को ढूंढ़ रही थीं।

संपादकीय

चौकसी और चुप्पी

उमेश पाल हत्याकांड में जिस तरह उत्तर प्रदेश पुलिस ने सक्रियता दिखाई है, निस्संदेह उससे अपराधियों पर मानसिक दबाव बना है। फरवरी में उमेश पाल की दिन दहाड़े घेर कर हत्या कर दी गई थी। वे अपने बहनोई और विधायक राजूपाल की हत्या के एकमात्र प्रत्यक्षदर्शी थे। राजूपाल की हत्या में माफिया अतीक अहमद का हाथ बताया गया था। फिर उमेश पाल की हत्या में भी अतीक के ही लोग देखे गए थे। उनमें खुद अतीक अहमद का बेटा भी शामिल था। इस हत्याकांड में शामिल दो बदमाश पहले ही मुठभेड़ में मारे जा चुके थे। अब अतीक अहमद का बेटा और उसका एक साथी बदमाश भी मुठभेड़ में मार गिराए गए हैं। दोनों पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। उमेशपाल की हत्या के बाद ये दोनों विभिन्न शहरों में छिपते फिर रहे थे। इसी क्रम में वे दिल्ली भी पहुंचे थे। दिल्ली पुलिस ने इन्हें पनाह देने वाले कुछ हथियार तस्करों को पकड़ा और उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस दल को सौंप दिया था। उनसे पूछताछ के आधार पर ही उत्तर प्रदेश पुलिस इन दोनों बदमाशों तक पहुंची थी। स्वाभाविक ही उमेशपाल हत्याकांड से जुड़े बदमाशों के इस तरह मुठभेड़ों में मारे जाने से उत्तर प्रदेश में सक्रिय दूसरे संगठित अपराधियों को कड़ा सबक मिला है। पुलिस अगर अपराधियों पर शिकंजा कसने में संजीदगी दिखाए, तो सचमुच अपराधमुक्त समाज बनाया जा सकता है। मगर हकीकत यह है कि हर सरकार अपराधमुक्त समाज बनाने का दम तो भरती है, मगर हर बार कुछ नए किस्म के अपराधी भी पनपते देखे जाते हैं। अतीक अहमद का इतिहास किसी से छिपा नहीं है। पिछले दिनों उसके अलग-अलग ठिकानों पर पड़े छापों से जो नगदी और बेनामी संपत्ति के कागजात जब्त हुए, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उसने अपने बाहुबल से किस तरह कानून-व्यवस्था को पंगु बना रखा था। फिलहाल वह जेल में है और उसके खिलाफ अदालत में सुनवाई चल रही है, मगर इससे पहले वह किस तरह न सिर्फ बेखौफ आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी दबाव बनाए हुए था। अतीक अहमद के गुनाहों और उसकी दबंगई से पुलिस भी अनजान नहीं थी, मगर वह बेखौफ विचरता रहा, तो इसलिए कि उसे राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ था। वह खुद भी राजनीति में प्रवेश कर चुका था। अतीक अकेला ऐसा माफिया नहीं है, ऐसे अनेक बाहुबली हैं, जो राजनीतिक संरक्षण में संगठित अपराध करते रहे हैं। अच्छी बात है कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश को अपराधमुक्त बनाने के अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए राजनीतिक संरक्षण में अपराध कर रहे बाहुबलियों पर शिकंजा कसना शुरू किया और उसी के फलस्वरूप उमेशपाल हत्याकांड में शामिल बदमाशों के मारे जाने की यह ताजा घटना हुई। मगर यह सवाल फिर भी बना हुआ है कि आखिर राजनीतिक दल ऐसे अपराधियों से दूरी बनाना कब शुरू करेंगे। जब तक राजनीतिक दलों में आपराधिक वृत्ति के लोगों की पैठ नहीं रुकेगी, ऐसे बदमाश पनपते ही रहेंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि विपक्षी खेमे के बदमाशों को लेकर चौकसी बरती जाए और अपने करीबियों को लेकर चुप्पी। यह अकारण नहीं है कि हर विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद सदन में पहुंचने वाले प्रतिनिधियों में आपराधिक पृष्ठभूमि के सदस्यों की संख्या कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। जब तक राजनीतिक संरक्षण मिलता रहेगा, न तो इस तरह की राजनीतिक हत्याओं का सिलसिला रुकेगा और न पूरी तरह अपराधियों पर लगाम लगाना संभव हो सकेगा।

चलना लंबा दौर !

छानबीन और पूछताछ का ।
चलना लंबा दौर ।।
हुए धराशायी वो ।
अब तक थे सिरमौर ।।
रोज निकल कर आएगी ।
नई कुछ कहानी ।।
लिखित में हो जाएगा ।
अब तक जो जुबानी ।।
नहीं है जिसका काम ।
हुए हैं वो भी तत्पर ।।
कम है जिनका योगदान ।
आज गए निखर ।।
एक एक करके ।
तथ्य रहे खंगाल ।।
हुआ है कितना करतब ।
और कितने कमाल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बदलते वक्त में प्राकृतिक खेती की जरूरत

उत्पादन और मूल्य प्राप्ति में अनिश्चितता की वजह से किसान उच्च लागत वाली कृषि के दुश्चक्र में फंस गया है। लगातार गिरता उत्पादन और फसलों में बढ़ती बीमारियां कृषि क्षेत्र की जटिलताओं को और बढ़ा रही हैं। इस स्थिति से किसानों को बाहर निकालने और उनके दीर्घकालिक कल्याण के लिए प्राकृतिक खेती की तरफ रुख करने से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। कृषि में बढ़ते रासायनिक खादों और दवाओं के उपयोग से फसलों और फिर इसका सीधा प्रतिकूल प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। प्राकृतिक खेती एक रासायनिक खाद मुक्त यानी पारंपरिक कृषि पद्धति है। इसे कृषि-पारिस्थितिकी आधारित विविध कृषि प्रणाली माना जाता है, जो जैव विविधता के साथ फसलों, पेड़ों और पशुधन को एकीकृत करती है।

सरकार ने देश भर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति यानी बीपीकेपी को प्रश्रय देकर राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरूआत की है, ताकि किसान खेतों में रासायनिक खादों का उपयोग कम कर सकें।राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत पंद्रह हजार क्लस्टर यानी समूह विकसित करके साढ़े सात लाख हेक्टेयर क्षेत्र को इसकी परिधि में लाया जाएगा। प्राकृतिक खेती शुरू करने के इच्छुक किसानों को क्लस्टर सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और इसके साथ ही प्रत्येक क्लस्टर में पचास हेक्टेयर भूमि के साथ पचास या उससे अधिक किसानों को शामिल किया जाएगा। क्लस्टर एक गांव भी हो सकता है और उसमें दो-तीन आसपास के गांवों को भी शामिल किया जा सकता है। इस मिशन के तहत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए तीन वर्ष तक प्रति वर्ष पंद्रह हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस वित्त पोषण में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि किसान प्राकृतिक खेती के लिए प्रतिबद्ध हों। अगर कोई किसान प्राकृतिक खेती का उपयोग नहीं करता है, तो उसे बाद की किस्तों का भुगतान नहीं किया जाएगा। इन सबके अलावा, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए क्रियान्वयन ढांचे, संसाधनों, क्रियान्वयन की प्रगति, किसान पंजीकरण, ब्लाग आदि की जानकारी प्रदान करने वाला एक वेब पोर्टल भी शुरू किया गया है।

देश में गैर-रासायनिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए खरीद पर भले जोर दिया जा रहा हो, पर हकीकत में सारे प्रयास अभी तक आधे-अधूरे हैं। सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसमें अभी तक कोई विशेष सफलता हाथ नहीं लगी है। उत्पादन और मूल्य प्राप्ति में अनिश्चितता की वजह से किसान उच्च लागत वाली कृषि के दुष्चक्र में फंस गया है। लगातार गिरता उत्पादन और फसलों में बढ़ती बीमारियां कृषि क्षेत्र की जटिलताओं को और बढ़ा रही हैं। इस स्थिति से किसानों को बाहर निकालने और उनके दीर्घकालिक कल्याण के लिए प्राकृतिक खेती की तरफ रुख करने से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। दुनिया की बढ़ती जनसंख्या एक गंभीर समस्या है। लोगों को भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा अधिक से अधिक उत्पादन करने के लिए तरह-तरह के रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग, प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान के चक्र यानी इकोलाजी सिस्टम को प्रभावित करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति खराब हो जाती है, साथ ही वातावरण प्रदूषित होता और मानव स्वास्थ्य में गिरावट आती है।

भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है और यह बड़ी आबादी की आय का मुख्य साधन भी है। हरित क्रांति के समय बढ़ती जनसंख्या और आय के मद्देनजर उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया। तब अधिक उत्पादन के लिए खेती में अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग पर जोर दिया गया। अब इसकी वजह से सीमांत और छोटे किसानों के पास कम जोत में अत्यधिक लागत आ रही है और जल, भूमि, वायु प्रदूषित हो रहा है, खाद्य पदार्थ भी जहरीले हो रहे हैं। इसलिए इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए प्राकृतिक कृषि पर सरकार बल दे रही है। प्राकृतिक खेती एक अनूठा माडल है, जो कृषि-पारिस्थितिकी पर निर्भर है। इसका उद्देश्य उत्पादन की लागत को कम करना और सतत कृषि को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक खेती मिट्टी की सतह पर सूक्ष्म जीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के विखंडन को प्रोत्साहित करती और धीरे-धीरे मिट्टी में पोषक तत्त्वों को जोड़ती है। हालांकि, जैविक खेती में जैविक खाद, वर्मी-कंपोस्ट और गाय के गोबर की खाद का उपयोग किया जाता है तथा इन्हें जोते हुए खेत में प्रयोग किया जाता है।

भारत सरकार द्वारा सहायता प्राप्त प्राकृतिक कृषि क्षेत्र अब 4.09 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इस कार्य के लिए आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल सहित आठ राज्यों में 49.81 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है। भारत में वर्तमान में शून्य बजट प्राकृतिक कृषि पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत प्राकृतिक खेती के तरीकों का एक समूह तथा एक जमीनी किसान आंदोलन तैयार हो रहा है, जो भारत के विभिन्न राज्यों में फैल रहा है। शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक ऐसी पद्धति है, जो लागत कम करने के साथ ही जलवायु पर निर्भर कृषि तथा किसानों को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती और कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को समाप्त करती है। इस तरह मृदा स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य को नुकसान से बचाती है। शून्य बजट प्राकृतिक खेती, एक अनूठा तरीका है, जिसमें बाजार से बीज, उर्वरक और पौधों के संरक्षण, रसायनों जैसे महत्त्वपूर्ण उपादानों की खरीद के लिए कोई मौद्रिक निवेश करने की आवश्यकता नहीं होती है। यह व्यापक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक कृषि प्रणाली है। किसान उर्वरकों और कीटनाशकों के बिना फसल की स्थानीय किस्मों को उगा सकते हैं। चूंकि यह शून्य बजट खेती है, इसलिए इसमें किसी संस्थागत ऋण की आवश्यकता नहीं होगी और मानव श्रम पर निर्भरता भी कम से कम हो जाएगी। शून्य बजट प्राकृतिक खेती विभिन्न कृषि सिद्धांतों के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने की एक कारगर पद्धति है।

प्राकृतिक खेती कई अन्य लाभों, जैसे कि मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की बहाली, और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का शमन या उनमें कमी लाते हुए किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत आधार प्रदान करती है। यह प्राकृतिक या पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं, जो खेतों में या उसके आसपास मौजूद होती हैं, पर आधारित होती है। किसानों की आमदनी दोगुना करने के साथ ही अनाज का उत्पादन भी वर्तमान की तुलना में दोगुना करने के सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य खेती की इसी विधि से हासिल किए जा सकते हैं। यही नहीं, शून्य बजट प्राकृतिक खेती के तहत जो फसल उगाई जाती है उसकी पैदावार भी काफी अच्छी होती है। भारत में आर्गेनिक और प्राकृतिक खेती से संपूर्ण लाभ के प्रमाण नामक रिपोर्ट प्राकृतिक खेती के दृष्टिकोण और फायदे के बारे में सबूतों के आधार पर बताती है कि गैर-रासायनिक खेती को व्यापक विस्तार दिया जा सकता है। यह रिपोर्ट भविष्य की नीतियों के लिए एक स्पष्ट रास्ता दिखाती है कि सिर्फ पैदावार के बजाय जैविक या प्राकृतिक खेती के विभिन्न फायदों को समग्रता से देखा जाना चाहिए।

ईर्ष्या से आगे बढ़ने का विचार जीवन में कभी सुख नहीं दे सकता

यह बड़ा सत्य है कि स्वार्थी एवं संकीर्ण समाज कभी सुखी नहीं बन सकता। इसलिए दूसरों का हित चिंतन करना भी आवश्यक होता है और उदार दृष्टिकोण भी जरूरी है। इसके लिए चेतना को बहुत उन्नत बनाना होता है। अपने हित के लिए तो चेतना स्वतः जागरूक बन जाती है, किन्तु दूसरों के हित चिंतन के लिए चेतना को उन्नत और प्रशस्त बनाना पड़ता है। लेकिन ऐसा नहीं होता। इसका कारण है मनुष्य की स्वार्थ चेतना। स्वार्थ की भावना बड़ी तीव्र गति से संक्रान्त होती है और जब संक्रान्त होती है तो समाज में भ्रष्टाचार, गैरजिम्मेदारी एवं लापरवाही बढ़ती है। हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अधिकार है। संसार में किसी के लिए भेदभाव नहीं है। जिस प्रगति में सहजता होती है, उसका परिणाम सुखद होता है। किसी को गिरा कर या काट कर आगे बढ़ने का विचार कभी सुखद नहीं होता, काटने का प्रयास करने वाला स्वयं कट जाता है। प्रगतिशील समाज के लिये प्रतिस्पर्धा अच्छी बात है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा के साथ ईर्ष्या जुड़ जाती है तो वह अनर्थ का कारण बन जाती है। संस्कृत कोश में भी ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा में थोड़ा भेद किया गया है, पर वर्तमान जीवन में प्रतिस्पर्धा ईर्ष्या का पर्यायवाची बन गई है। उसके पीछे विभिन्न भाषाओं में होने वाला गलाकाट विशेषण का प्रयोग इसी तथ्य की ओर संकेत करता है।

ईर्ष्यालु मनुष्य में सुख का भाव दुर्बल होता है। उसकी इस वृत्ति के कारण वह निरंतर मानसिक तनाव में जीता है। उसके संकीर्ण विचार और व्यवहार से पारिवारिक और सामाजिक जीवन में टकराव और बिखराव की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। आचार्य श्री तुलसी ने ईर्ष्या को असाध्य मानसिक व्याधि के रूप में प्ररूपित किया है, जिसका किसी भी मंत्र-तंत्र, जड़ी-बूटी व औषधि से चिकित्सा संभव नहीं है। ईर्ष्यालु मनुष्य स्वयं तो जलता ही है, दूसरों को जलाने का प्रयास भी करता है। स्वामी रामतीर्थ ने ब्लैकबोर्ड पर एक लकीर खींची तथा कक्षा में उपस्थित छात्रों से बिना स्पर्श किए उसे छोटी करने का निर्देश दिया अधिकतर विद्यार्थी उस निर्देश का मर्म नहीं समझ सके। एक विद्यार्थी की बुद्धि प्रखर थी। उसने तत्काल खड़े होकर उस लकीर के पास एक बड़ी लकीर खींच दी। स्वामी रामतीर्थ बहुत प्रसन्न हुए। उनके प्रश्न का सही समाधान हो गया। दूसरी लकीर अपने आप छोटी हो गई। उन्होंने उस विद्यार्थी की पीठ थपथपायी और उसे आशीर्वाद दिया। रहस्य समझाते हुए उन्होंने कहा-अपनी

योग्यता और सकारात्मक सोच से विकास करते हुए बड़ा बनना चाहिए। किसी को काटकर आगे बढ़ने का विचार अनुचित और घातक है। कभी हम अवसरों का इंतजार कर रहे होते हैं तो कभी नतीजों का। ये इंतजार जितना लंबा होता है, बेचैनी उतनी बढ़ती जाती है। पर यहीं जरूरत होती है, चलते रहने की, काम करने की, और नया सीखने की। कवि युआन वूल्फंग वॉन गोइठा कहते हैं कि मायने इस बात के नहीं हैं कि लक्ष्य हासिल करके हमें क्या मिला? मायने इस बात के हैं कि हम उन्हें हासिल करने की प्रक्रिया में क्या बन गए हैं? हम अपने मन की कम जीते हैं, दूसरों की परवाह ज्यादा करते हैं। यही वजह है कि हम अकसर नाखुश दिखते हैं। तो क्या करें? कहा जाता है कि हमेशा अच्छे मकसद के लिए काम करें, तारीफ पाने के लिए नहीं। खुद को जाहिर करने के लिए जिएं, दूसरों को खुश करने के लिए नहीं। ये कोशिश ना करें कि लोग आपके होने को महसूस करें। काम यूं करें कि लोग तब याद करें, जब आप उनके बीच में ना हों। जब जिंदगी सही चल रही होती है तो हर चीज आसान लगती है। वहीं थोड़ी-सी गड़बड़ होने पर हर चीज कठिन। या तो सब सही या सब गलत। संतुलन बनाना हमारे लिए मुश्किल होता है। लेखक जेम्स बराज कहते हैं, आज में जिएं। याद रखें कि वक्त कैसा भी हो, बीत जाता है। अपनी खुशी और गम दोनों में खुद पर काबू रखें। तरक्की की यात्रा अकेले नहीं हो सकती। जरूरी है कि आप अपने साथ दूसरों को भी आगे ले जाएं। उनके जीवन पर अच्छा असर डालें। इसके लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं होती। कितनी ही बार आपकी एक हंसी, एक हामी, छोटी सी मदद दूसरे का दिन अच्छा बना देती है। अमेरिकी लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, जब हम खुशी से देते हैं और प्रसाद की तरह लेते हैं तो सब कुछ वरदान ही है। सामुदायिक चेतना और सकारात्मकता का विकास हो, सबका प्रशस्त चिंतन हो, स्वयं और समाज के संदर्भ में तब कहीं जाकर समाज का वास्तविक विकास होता है। आज राष्ट्र का और पूरे विश्व का निरीक्षण करें, स्थिति पर दृष्टिपात करें तो साफ पता चल जाएगा कि लोगों में स्वार्थ की भावना बलवती हो रही है। लेकिन मनुष्य की मनोवृत्ति है कि वह ईर्ष्यालु होता है।

आपके अपने जब आपसे ज्यादा तरक्की करने लगते हैं, जिंदगी में आगे बढ़ा रहे होते हैं तो आप अच्छा महसूस नहीं करते हैं और ये कसक होती है कि ऐसा हमारे साथ क्यों नहीं हुआ? कैसे इस ईर्ष्या को कम करें, थ्री इडियट फिल्म का एक लोकप्रिय संवाद था, अगर आपका दोस्त फेल होता है तो आपको बुरा लगता है, पर वही दोस्त अगर फर्स्ट आता है तो और भी बुरा लगता है। मानव व्यवहार के इस आयाम पर मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. दीपाली एस कहती हैं, जो आपके बहुत निकट होते हैं, उनका दुख चोट पहुंचाता है। अगर परिवार का कोई सदस्य या दोस्त मुसीबत में हो तो आप तुरंत उसकी मदद को पहुंच जाते हैं। पर जब वह तरक्की करता है, आपसे ज्यादा कमाने लगता है तो अधिकांश लोगों की सोच बदलने लगती है। यह एक मानवीय गुण है कि हम हमेशा अपने आपको दूसरों से आगे देखना चाहते हैं।

आरएलडी की मान्यता छिनने के बाद अब पश्चिमी यूपी में तेज होगी जाट वोट बैंक पर कब्जे की जंग

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकदल यानी आरएलडी की मान्यता खत्म होने से छोटे चौधरी जयंत सिंह की सियासत पर ग्रहण लग गया है। इसके साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने सहित कई सरकारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसान नेता चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी की राजनैतिक पारी पर यदि विराम लग जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जयंत चौधरी के पास आगे की सियासत चलाने के लिए अब बहुत कम विकल्प बचे हैं। अब या तो वह अपनी पार्टी को किसी और समान विचारधारा वाले दल में समाहित कर लें या फिर पार्टी को पुनः खड़ा के लिए संघर्ष करें, जो आसान नहीं है। रालोद की क्षेत्रीय दल की मान्यता छिनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो सकता है। रालोद के वोटरों को अपने लिए नये विकल्प तलाशने होंगे। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ बहुजन समाज पार्टी को भी फायदा हो सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में करीब पांच दशकों के बाद ऐसा मौका आया है, जब चौधरी चरण सिंह के खानदान की राजनैतिक विरासत पूरी तरह से खत्म होती नजर आ रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने जिस राष्ट्रीय लोकदल से राज्य स्तर की पार्टी का दर्जा छीना है उसकी नींव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह ने रखी थी। इस समय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के पुत्र जयंत चौधरी हैं। बताते चलें कि राष्ट्रीय लोकदल नाम की पार्टी बनाने का सपना सबसे पहले अजीत सिंह के पिता पूर्व कांग्रेस नेता चौधरी चरण सिंह ने 1974 के चुनाव में देखा था। उन्होंने ही लोकदल के नाम से पार्टी की मान्यता के लिए आवेदन किया। लेकिन मान्यता नहीं मिली। इसके कारण चौधरी चरण सिंह के उम्मीदवारों ने बीकेडी के बैनर से ही चुनाव लड़ा, लेकिन चुनावी सभाओं में लोकदल का नया बैनर भी लहराया जाता था। देश के कई दिग्गज कपूर्री ठाकुर, बीजू पटनायक आदि इस दल में साथ रहे। इस चुनाव में इगलास व गंगीरी सीट बीकेडी ने जीती। इमरजेंसी के बाद सातों सीटों पर कब्जे का इतिहास भी 1977 में चरण सिंह के नेतृत्व में रचा गया। 1985 के चुनाव में लोकदल का उदय हुआ। पार्टी के बैनर पर इगलास व खैर सीट पर जीत दर्ज हुई। इसी चुनाव में मुलायम सिंह पार्टी में शामिल हुए। जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप से बचने के लिए मुलायम सिंह को विरोधी दल के नेता का जिम्मा और राजेंद्र सिंह

को प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा दिया गया। 1989 के चुनाव में पिता के देहांत के बाद अजित सिंह के हाथ पार्टी की कमान आई। यह चुनाव जनता दल के बैनर तले लड़ा गया, लेकिन पार्टी अलीगढ़ में हार गई। सिर्फ एक खैर सीट जीत सकी। खुद राजेंद्र सिंह इगलास से चुनाव हार गए।

तत्पशचात 1991 में राजेंद्र सिंह के एमएलसी बनने के बाद दोनों परिवारों में अलगाव के चलते लोकदल की विरासत को लेकर टकराव हुआ तो अजित सिंह ने जनता दल के बैनर तले प्रदेश में चुनाव लड़ा। अलीगढ़ जिले की खैर सीट पर जगवीर सिंह को जिताया। 1996 के चुनाव में मतभेद इस कदर दिखाई दिए कि अलीगढ़ की एक भी सीट अजित सिंह नहीं जीत सके। इस चुनाव के बाद राजेंद्र सिंह सियासत से पूरी तरह दूर हो गए। दोनों परिवारों में मतभेद के बीच कोर्ट के जरिये राजेंद्र सिंह के पुत्र सुनील सिंह को लोकदल का वारिसाना हक मिल गया। इसी के चलते अजित सिंह को 1996 में राष्ट्रीय लोकदल के नाम से नई पार्टी का गठन करना पड़ा, लेकिन चौधरी अजीत सिंह देश-प्रदेश की सियासत में कोई खास धमाका नहीं कर पाए। उनका सारा ध्यान जाट वोटरों पर लगा रहता था। अकेले दम पर चुनाव लड़ने से भी चौधरी अजीत सिंह बचते रहते थे। कुल मिलाकर चौधरी चरण सिंह की मौत के बाद उनके पुत्र अजीत सिंह और बाद में चरण सिंह के पौत्र जयंत सिंह अपने बाप-दादा की सियासत को बचा नहीं पाए। बात चौधरी चरण सिंह के सियासी रूतबे की कि जाए तो एक जाट परिवार में जन्मे, चरण सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन के हिस्से के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। आजादी के बाद 1950 के दशक में भारतीय किसानों की भलाई के लिए नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि उपयोग नीतियों के खिलाफ लड़ाई का विरोध करने और जीतने के लिए वे विशेष रूप से उल्लेखनीय हो गए। वह सभी ग्रामीण और कृषक समुदायों के बीच बहुत लोकप्रिय थे, उनका राजनीतिक आधार पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा था। 1929 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। उन्होंने 1937 से संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) राज्य विधानसभा में सेवा की।

फरवरी 1937 में वे 34 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश (संयुक्त प्रांत) की विधान सभा के लिए चुने गए। 1938 में उन्होंने विधानसभा में एक कृषि उपज बाजार विधेयक पेश किया, जो 31 मार्च के दिल्ली के हिंदुस्तान टाइम्स के अंक में प्रकाशित हुआ था। 1938 के विधेयक का उद्देश्य व्यापारियों की लोलुपता के खिलाफ किसानों के हितों की रक्षा करना था। इस विधेयक को भारत, पंजाब के अधिकांश राज्यों द्वारा अपनाया गया था। 1940 में ऐसा करने वाला वह पहला राज्य था। इस प्रकार उनका राजनीतिक जीवन काश्तकारों के अधिकारों का समर्थन करते हुए कांग्रेस रैंकों के माध्यम से शुरू हुआ। प्रारंभिक कांग्रेस नीति के खिलाफ काम करते हुए और जबरदस्त जमींदार के प्रभाव से लड़ते हुए, उन्होंने भूमि के किसानों के स्वामित्व के लिए समर्थन जुटाया, सुधारों को लागू किया और किसानों पर कर वृद्धि को रोका। उन्होंने किसानों को एक आक्रामक राजनीतिक ताकत बनाने का काम किया।

विभिन्न संस्थाओं में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज शुक्रवार को डॉ0 भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रायफल क्लब सभागार गाजीपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बाबा साहब के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, उनके बताए गए विचारों पर चलें। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज को एक समान जोड़ने का कार्य किया है। भारतीय संविधान बनाने में बाबा साहब का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उनका विचार था कि समाज में समता होनी चाहिए। सभी को बराबर का समान, अधिकार एवं न्याय मिलना चाहिए। डॉ. आंबेडकर जी का पूरा जीवन संघर्ष, सत्यनिष्ठा, लगन व वंचित वर्ग के प्रति करुणा का प्रतीक है। उन्होंने व्यक्तिगत जीवन मे अनेक बाधाओं व कष्टों को सहा किंतु कभी भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुए। सार्वजनिक जीवन मे उन्होंने अश्पृश्यता व भेदभाव का कड़ा विरोध किया। उन्होने कहा कि महापुरूषों के जीवन का अनुसरण करते हुए व्यक्ति को उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलकर देश, प्रदेश की तरक्की, खुशहाली के लिए अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए।

जिलाधिकारी ने बाबा साहब के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि बाबा साहब के बताए गए रास्तों पर चल कर देश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जो अपने सुखसाधनों को छोड़कर देश का हित करें, ऐसे महान व्यक्तियों को नमन करते हैं। देश बदलना है तो शिक्षित होना बहुत जरूरी है। बाबा साहब ने समाज में परिवर्तन लाने के लिए अनोखा कार्य किया है। समाज के सभी वर्ग एक ही पंक्ति में खड़े हो सकें, ऐसे उनके विचार थे। संविधान निर्माण में उन्होंने सभी धर्म, वर्ग, जाति को एक समान करने का विशेष ध्यान रखा। नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है कि सभी कार्यों का समय से निर्वाहन करें।

इसी प्रकार सिविल बार संघ गाजीपुर में भारत रत्न सविधान निमार्ता बाबा साहब डाक्टर भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती सिविल बार के सभागार में मनाई गयी जिसमे सभी लोगो ने बाबा साहब की फोटो पर माल्यार्पण कर संगोष्ठी में बाबा साहब के बताये हुए विचारो पर चलने की बात कही गयी। वर्धक व उपयोगी है। इस अवसर पर अधिवक्ता हरिद्वार राम, ओमप्रकाश गुप्ता,सत्येन्द्र श्रीवास्तव, दया शंकर यादव, कृपा शंकर राय ,राम प्रताप यादव, लियाकत अली ,गोपाल जी श्रीवास्तव ,आत्मा यादव ,विजय शंकर पाण्डेय ,वीरेंदर पाल ,मुन्सी राम ,समता बिन्द ,रीना चौधरी, बृजमोहन राम ,अमर सिंह अध्यक्ष क्लेक्ट्रेट बार संघ, मदन कुशवाहा सचिव क्लेक्ट्रेट बार संघ आदि उपस्थित रहे संगोष्ठी की अध्यक्षता सिविल बार संघ के अध्यक्ष सुधाकर राय व संचालन पूर्व महासचिव अशोक कुमार भारती ने किया ।

समाजवादी पार्टी के पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर जिला उपाध्यक्ष निजामुद्दीन खां की अध्यक्षता में माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने उनके जीवन संघर्ष एवं त्यागमय जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहब महान समाज सुधारक, राजनीतिक, अधिवक्ता, अर्थशास्त्री ,लेखक,चिंतक, दार्शनिक थे । उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। वह दलित, शोषित एवं उपेक्षित वर्गों के मसीहा थे।वह ऐसे राजनीतिज्ञ मनीषी थे जिनके मन में हमेशा सर्वजनहिताय सर्वजन सुखाय की भावना व्याप्त थी । पुर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा जी ने उन्हें नमन करते हुए बताया कि भाजपा निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेच रही है। उन्होंने कहा कि जब सब कुछ निजी हाथों में चला जायेगा तो बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा संविधान में दिया गया हक, सम्मान और आरक्षण कैसे मिलेगा। मंडल कमीशन के अनुसार नौकरियां नहीं मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधान परिषद के प्रत्याशी रहे मदन यादव, सदानंद यादव, अशोक कुमार बिंद, अरुण कुमार श्रीवास्तव, दिनेश यादव , आमिर अली, रामवचन यादव, डॉ समीर अली,सिंकदर कन्नौजिया,अतीक अहमद,असलम खां, अशोक अग्रहरि, छन्नू यादव, गोपाल यादव,अमित ठाकुर, पंकज यादव,रविन्द्र प्रताप यादव, हरवंश यादव,नफीसा बेगम, पूजा गौतम, दीपक उपाध्याय,धर्मेन्द्र यादव,महेंद्र बिंद,सूर्यभान यादव ,पवन यादव ,लड्डन खां आदि उपस्थित थे।

इस गोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष कन्हैया लाल विश्वकर्मा ने किया। भारतीय जनता पार्टी ने बोधिसत्व बाबा साहब के जयन्ती के अवसर को बुथ स्तर पर मनाया। भाजपा जिला कार्यालय छावनी लाइन पर लोकसभा संयोजक कृष्णबिहारी राय की अध्यक्षता मे विचार गोष्ठी आयोजित कर बाबा साहब के व्यक्तित्व,कृतित्व पर चर्चा कि गयी । गोष्ठी मे बोलते हुए कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक समता और समरसता के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहब अम्बेडकर जी के सोच और सपने को अक्षरसः पुर्ण कर रहे है। पं दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद मे समाज के अंतिम व्यक्ति की चिन्ता करता है जो बाबा साहब की सोच थी।

पुर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुनिल सिंह ने कहा कि बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर का सपना था कि सामाजिक एकता और अखंडता के साथ साथ प्रत्येक व्यक्ति को समान रुप से सम्मान, न्याय और अधिकार मिले ।

संचालन जिला महामंत्री प्रवीण सिंह ने किया। इस अवसर पर नगरपालिका निवर्तमान अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, सुरेश बिंद,अच्छे लाल गुप्ता,जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, रासबिहारी राय, प्रमोद अग्रवाल, अर्जुन सेठ,राजन प्रजापति, श्रीप्रकाश केसरी, गोपाल राय, सुनील गुप्ता,राजीव कुमार सिंह, अभिनव सिंह छोटू, मुरली कुशवाहा, काशी चौहान, हेमंत त्रिपाठी, अजय कुशवाहा, मंजय चौहान,निखिल राय, अनिल वर्मा, सुशील वर्मा,रामेश्वर तिवारी,सुधिर केशरी आदि उपस्थित रहे। भाजपा सदर मंडल पश्चिमी अध्यक्ष गोपाल राय,सुरेश बिंद,अच्छे लाल गुप्ता, शशिकान्त शर्मा,मुरली कुशवाहा, काशी चौहान, मोहन जायसवाल, रंजीत पासी आदि ने महाराज गंज के ग्राम- सराय मुनिमा बाद तथा ग्राम-लगंड़पुर मे बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके सम्मान मे नारे लगाए और श्रद्धांजली दी।

भाकपा (माले) इंकलाबी नौजवान सभा के कार्यकताओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत करंडा और जखनियां गाजीपुर शहर समेत सैदपुर में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती प्रभातफेरी निकालकर मनाया।

इस अवसर पर करन्डा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) राज्य समिति सदस्य राजेश वनवासी ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर को आज एक जाति विशेष का नेता बताने की चौतरफा कोशिशें हो रही हैं। पहले भारत के मनुवादियों और फिर आजादी के बाद सत्ता पर काविज राजनीतिक शक्तियों ने उन्हें एक जाति के नेता के रूप में पेश किया। अम्बेडकर की लोकतांत्रिक और समतावादी विचारधारा के उलट उनकी छवि को एक जाति के सांचे में फिट करने में खुद को सबसे बड़ा अम्बेडकरवादी बताने वाले बसपा सुप्रीमो कांसीराम ने भी बड़ी भूमिका निभाई।डॉ भीमराव अम्बेडकर का नाम लेकर जातीय पार्टी या जातीय संगठन बनाने वालों को जानना जरूरी है कि डॉ आंबेडकर ने कोई जातीय पार्टी बनाने के बजाय 1936 में "स्वतंत्र लेबर पार्टी बनाकर शुरूआत की।डॉ आंबेडकर द्वारा देश के मजदूरों को दिलाए गए इन सभी अधिकारों को एक-एक कर खत्म कर रही है उन्होंने आरएसएस व हिन्दू महासभा की साम्प्रदायिक राजनीति का डटकर विरोध किया और कहा कि भारत को कभी भी हिन्दू राष्ट्र नहीं बनने देना है। अगर भारत हिन्दू राष्ट्र बना तो देश पर सबसे बड़ी विपदा आ जाएगी। जब भारतीय लोकतंत्र अपने इतिहास में सबसे बड़े फासीवादी हमले का सामना कर रहा है, लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का होना बहुत जरुरी है। सभा को जिलेश्वर भारती, सत्येन्द्र कुमार, प्रजापति, संजय भारती, मंजू गोंड, गुलाब सिंह, लालबहादुर बागी, रणधीर सिंह, किशन वनवासी ने संबोधित किया।

फाइलेरिया की रोकथाम के लिए नाइट ब्लड सर्वे हुआ पूरा

बलिया। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत स्वास्थ्य टीम ने मंगलवार को पंदह ब्लॉक के चड़वा-बड़वा ग्राम में हुये एक दिवसीय नाइट ब्लड सर्वे में 185 लोगों का सैम्पल लिया। यह कार्य सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से गठित फाइलेरिया नेटवर्क और अन्य के खास प्रयास से पूरा हुआ। सैम्पल लेने के लिए सभी सदस्यों ने जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव को अनुरोध पत्र दिया था।

जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे के लिए टीम बनाई गई थी, जो रात में लोगों के ब्लड का सैंपल लेकर फाइलेरिया संक्रमण का पता लगाने का कार्य करती है। क्योंकि इसके परजीवी यानि माइक्रो फाइलेरिया रात में ही सक्रिय होते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें 20 साल से अधिक आयु की महिलाओं एव पुरुषों का सैंपल लिया गया। सैंपल लेकर रक्त पट्टिका बनाई गईं। इसका उद्देश्य फाइलेरिया रोगी मिलने पर उसका तत्काल उपचार शुरू कर जिले को फाइलेरिया रोग मुक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया नेटवर्क के 20 नेटवर्क सदस्यों की ओर से 160 लोगों का नाइट ब्लड सर्वे कराने के लिए जांच स्थान पर आने के लिए प्रचार-प्रसार किया गया था। फाइलेरिया नेटवर्क के 20 लोगों ने भी जांच कराई। दो नेटवर्क सदस्य राजेश सिन्हा एवं अखिलेश कुमार ने 185 लोगों के पंजीकरण में सहयोग किया।

क्या है फाइलेरिया- जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है जिसे सामान्यतः हाथीपाँव के नाम से भी जाना जाता है। इसके प्रभाव से पैरों व हाथों में सूजन, पुरुषों में हाइड्रोसील (अंडकोष में सूजन) और महिलाओं में ब्रेस्ट में सूजन की समस्या आती है।

लक्षण : - 1. कई दिन तक रुक-रुक कर बुखार आना।

2. शरीर में दर्द एवं लिम्फ नोड (लसिका ग्रंथियों) में सूजन।

3. हाथ, पैरों में सूजन (हाथी पांव) एवं पुरुषों के अंडकोष में सूजन (हाइड्रोसील)।

4. महिलाओं के ब्रेस्ट में सूजन, पहले दिन में पैरों में सूजन रहती है और रात में आराम करने पर कम हो जाती है।

संक्षिप्त खबरें

गोंड़ समाज का प्रांतीय सम्मेलन 16 को

पिंडरा। अखिल भारतीय गोंड़ महासभा के जिला इकाई की आवश्यक बैठक शुक्रवार को शाखा कार्यालय बाबतपुर में हुई। जिसमें 16 अप्रैल को होने वाले प्रान्तीय सम्मेलन पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में गोंड़ जाति/अनुसूचित जनजाति के समस्याओं पर चर्चा हुई। ग्रातीय सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि ब्यासजी गोंड़ होंगे। संचालन एडवोकेट श्रीनाथ गोंड़ ने किया। बैठक में लोलारख, डा0 विनोद भास्कर, कैलाश, शोभनाथ , जनार्दन शकर, अगनू गोड व अनिता समेत गोंड़ समाज के अनेक लोग रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में अम्बेडकर जयंती पर निकले जुलूस

पिंडरा। ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। रामपुर में डॉ भीमराव आंबेडकर संघर्ष समिति के बैनर तले उनके प्रतिमा पर आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग पहुचे और पुष्प अर्पित करने के बाद नमन किया और उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व रामपुर, हिवरनपुर, थाना, भरावर, दबेथुवा , मलहथ से जुलूस के रूप में सैकड़ों की संख्या में लोग डीजे और बैंडबाजे के धुन पर गाते बजाते हुए पहुचे। इस दौरान महेंद्र दास, लवकुश साहनी, अरुण कुमार, श्यामधारी, सूबेदार, जयसिंह, विनोद कुमार, दिनेश कुमार समेत दर्जनों गणमान्य लोग रहे। इसके अलावा फूलपुर, हरिनाथपुर, बरजी , परसरा, खालिसपुर, गजोखर, मंगारी, गंगापुर में अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम हुए।

धारा 144 के तहत ही मनाए अंबेडकर जयंती

सिकन्दरपुर (बलिया)। कस्बा स्थित पुलिस चौकी के प्रांगण में अंबेडकर जयंती को सकुशल संपन्न कराने के लिए बुधवार को पीस कमेटी की एक बैठक उपजिलाधिकारी अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मौजूद लोगों द्वारा अम्बेडकर जयंती सकुशल सम्पन्न कराने पर विचार विमर्श किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार क्षेत्र के कुल 15 जगहों पर अंबेडकर जयंती की प्रतिमा रखी जाती है। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी ने कहां की बिना अनुमति का कोई भी कार्यक्रम नहीं होगा। किसी भी परिस्थिति में आचार संहिता का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। पहले से जो परंपरागत रूट कागज में होंगे वही रूट इस बार भी होगा किसी भी स्थिति में नया रूट नही बनेगा। वही कार्यक्रम स्थल की वीडियो फोटोग्राफी आयोजन कताओं खुद करा कर उसकी क्लिप थाने पर जमा करनी होगी। वही कार्यक्रम स्थल पर किसी प्रकार की राजनीतिक चचाएँ नहीं होनी चाहिए। नही तो आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। इस मौके पर चौकी प्रभारी रविन्द्र पटेल, अमरेश कुमार, हरि किशुन राम, विनोद शंकर गुप्ता, भीष्म यादव, हाफिज इलियास, बबलू मास्टर आदि लोग उपस्थित रहें।

कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाये नगदी एवं गहने

पूर (बलिया)। बुधवार की रात पकड़ी थाना क्षेत्र के मंझरिया गाँव मे चोरों ने छत के सहारे आँगन में उतरकर कमरे का ताला तोड़कर बक्से में रखे नगदी एवं गहने चुरा ले गए। मिली जानकारी के मुताबिक मंझरिया गाँव निवासी श्री यादव का परिवार खाना खा कर छत पर सोने चला गया। रात में किसी समय छत के सहारे अंदर घुसे चोरों ने कमरा खोलकर उसमें रखे बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे गहने एवं नगदी उड़ा दिए। सुबह नींद खुलने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुँची पुलिस ने मौका मुआयना कर जल्द ही घटना की खुलासे की बात कही। आये दिन क्षेत्र में चोरी की बढ़ रही घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

चितबड़ागांव में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान : ईओ

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के निर्देश के क्रम में प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय अनिल कुमार अग्निहोत्री के निर्देश पर नगर पंचायत चितबड़ागांव में साफ-सफाई के साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस सन्दर्भ में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चितबड़ागांव अनिल कुमार ने बताया है कि संचारी रोग रोकथाम के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है इसमें मेरे नेतृत्व में रोज दोनों समय अपने देखरेख में सफाई अभियान के साथ कीटनाशक गमकसीन के साथ मच्छर को मारने के लिए एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है।

विभिन्न संस्थाओं में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बृहस्पतिवार को गौरी शंकर पब्लिक स्कूल तुलसी सागर गाजीपुर के प्रांगण में डॉ० भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक राजेश्वर सिंह ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन कर्मपथ हमारे लिए हमेशा पथ प्रदर्शक रहेगा। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कुमार और शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी डॉक्टर अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की निदेशिका श्रीमती रीता सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आराधना सिंह एवं आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आनंद कुमार ने व्यक्त किया। इसी प्रकार सत्यदेव डिग्री कॉलेज परिसर में आज शुक्रवार को अंबेडकर जी की 132 में जयंती

मनाई गई। इस अवसर पर सत्यदेव कॉलेजेस के सीएमडी प्रो0 आनंद सिंह और एमडी प्रो आनंद सिंह ने डॉक्टर अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण किया। प्रो आनंद सिंह ने कहा की डा0 अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं, इसलिए अंबेडकर जी हम लोगों के बीच ना रहते हुए भी वैचारिक रूप से जिंदा हैं। भारत के प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए उनके नेतृत्व में संविधान का निर्माण हुआ। जिसके सहारे आज भी भारत की प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। बच्चों को उनके जीवन उनके विचार का बृहद अध्ययन कर उनसे कुछ सीखने की महती आवश्यकता है। प्रो आनंद सिंह ने कहा की भारतीय संविधान के निर्माण के प्रमुख स्तंभ वंचित समाज के मूक नायक स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विपरीत परिस्थितियों में समाज का और असहयोग तथा तिरस्कार खेलते हुए तत्कालीन भारत के सबसे अधिक शैक्षणिक योग्यता (अर्थशास्त्र के दो विषयों से पीएचडी) धारित करने वाले दलितों के मसीहा भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर "बाबासाहेब" जिनका जन्म 14 अप्रैल 18 सो 91 ईस्वी को मध्य प्रदेश के इंदौर के महू छावनी में हुआ था। अंबेडकर हम लोगों के बीच ना रहते हुए भी वैचारिक रूप से जिंदा हैं।

इलाज के लिए जा रहे भाई-बहन ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आए, छोटे भाई की दर्दनाक मौत से कोहराम

बिल्थरारोड (बलिया)। स्थानीय नगर पंचायत के वार्ड नम्बर-3 नवकापुरा में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर आगामी 14 अप्रैल को हर साल की भाँति इस साल भी बाबा साहब की मूर्ति के पास भव्य कार्यक्रम की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। इसके लिए समिति के सदस्यों द्वारा मूर्ति व स्थान का सफाई का कार्य जोरो पर है। इसकी जानकारी देते हुए बाबा साहब समिति के संरक्षक विनय प्रकाश डेविड ने बताया कि इसके उपलक्ष्य में आगामी 16 अप्रैल की शाम को दो गोला विरहा का आयोजन किया गया है। जिसमे महिला बिरहा गायक उजाला यादव और पुरुष गायक देवीलाल यादव भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड के नियम का पालन करते हुए कार्यक्रम किया जायेगा। उन्होंने लोगो से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया है। कार्यक्रम की तैयारी व साफ सफाई में अम्बेडकर सेवा समिति के अध्यक्ष रानू किशोर, संरक्षक विनय प्रकाश, उपाध्यक्ष विजय कुमार, रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष सुशांत (मुस्कान),सूरज कुमार, प्रबंधक सचिन कुमार (टुनटुन), अजीत कुमार (गोलू), मंत्री राजेश कुमार (जगरल), महामंत्री अश्वनी, साहिल, पियूष सदस्यो में कौशल कुमार, अमित कुमार, प्रियांशु कुमार, आकाश, विनय कुमार दीपक, अखिलेश कुमार, हिमांशु आदि लगे हुए दिखे।

संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय के पक्षधर थे डॉ. भीमराव अम्बेडकर : जिलाधिकारी

प्रखर मिजार्पुर। संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के 132वीं जंयती को कलेक्ट्रेट सहित जनपद के सभी कार्यालयो में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल सहित अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, नमामि गंगे अमरेन्द्र कुमार वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह सहित कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा डॉ अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। समारोह को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय के पक्षधर थे। उन्होने समाज में व्याप्त कुरीतियो को समाप्त करते हुये लोगो को एक समान अधिकार के साथ जीने का अवसर प्रदान किया हैं। उन्होने कहा कि भारत रत्न डॉ अम्बेडकर का भारतीय संविधान को बनाने में बड़ा योगदान रहा हैं। अंग्रेजी शासन के बाद सभी की यह चिंता थी कि विविध धर्म, जाति वाले विशाल भारत देश को एकजुट करके किस तरह से चालाया जायेगा परन्तु आजादी मिलने के बाद डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व वाले संविधान निमार्ता टीम के द्वारा जो संविधान बनाया गया उसमें सभी को बराबरी का सम्मान, अ धिकार व न्याय दिलाने का उल्लेख किया गया। भारत देश का यह संविधान दुनिया के सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संविधान हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इस संविधान को अक्षुण बनाये रखने तथा इसके पालन के लिये हम सब की बड़ी जिम्मेदारी है भी अधिकारी कर्मचारी जिस भी पद पर कार्यरत तहत अपने कर्तव्यो को निष्ठा व ईमानदारी के साथ निर्वहन करे

है उसे गौरवशाली मानते हुये संविधान में उल्लिखित नियमो के जिससे लोगो को न्याय मिल सकें। यही डॉ भीमराव अम्बेडकर व हमारे संविधान निमार्ताओ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर अपने जीवन में अनेक बाधाओ से लड़ते हुये लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे तथा उच्च शिक्षा ग्रहण कर राजनैतिक जीवन में आकर देश सेवा करने का मन बनाया तथा सामाजिक कुरीतियों एवं व्याप्त भेद भाव का विरोध करते हुये लोगो को एक रास्ते पर चलकर देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया। अपर जिलाअिधकारी नमामि गंगे ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर के निर्मित संविधान में प्रत्येक वर्ग व जाति को बराबर दर्जा दिया गया है तथा संविधान में उल्लिखित नियमो के तहत देश विकास के पथ पर अग्रसर है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनकी कृतित्व एवं व्यक्तिव का अनुसरण करते हुये अपने कर्तव्यो का निर्वहन करें। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने कहा कि अनेक विविधता वाले देश में विधिताओं को स्वीकारते हुये डॉ भीमराव अम्बेडकर के द्वारा अंखण्ड भारत का निर्माण चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन डॉ अम्बेडकर के नेतृत्व वाली संविधान निमार्ताओं के द्वारा एकता और अखण्डता के मूल मंत्र को साकार करते हुये भारत को एक मजबूत राष्ट के रूप में खड़ा किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट की महिला कर्मचारियों में श्रीमती अलमबदा, सीमा देवी, पुष्पा, श्रीमती चिंता देवी सहित हौसला प्रसाद, एल0बी0सी0 रामपती, श्यामदेव, के0जी0 वर्मा सहित कई कर्मचारियो द्वारा अपने उद्बोधन एवं गीत के माध्यम से डॉ अम्बेडकर जी के कृतित्व एवं व्यक्तिव पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अशोक धर दूबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र, जिला सूचना अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी आलोक शर्मा सहित सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

अनुपम खेर ने सतीश कौशिक को जन्मदिन पर किया याद

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपने दिवंगत दोस्त सतीश कौशिक के जन्मदिन पर उन्हें याद किया है। सतीश कौशिक का पिछले माह निधन हो गया था। सतीश कौशिक यदि हमारे बीच होते तो आज यानी 13 अप्रैल को वह अपना 67वां जन्मदिन मना रहे होते। ऐसे में अब उनके जन्मदिन पर उनके दोस्त अनुपम खेर एक बार फिर उन्हें याद किया है। इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर ने अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। अनुपम खेर ने वीडियो के साथ अपने दोस्त सतीश कौशिक के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है कि आज वो उनका शानदार तरीके से जन्मदिन मनाने की कोशिश करेंगे। वीडियो शेयर कर अनुपम ने कैप्शन में लिखा, मेरे प्यारे दोस्त सतीश कौशिक। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज बैसाखी के दिन आप 67 साल के हो गए होंगे, लेकिन आपके जीवन के 48 साल तक मुझे आपका जन्मदिन मनाने का सौभाग्य मिला। इसलिए मैंने फैसला किया है कि आज शाम को हम आपके जन्मदिन को शानदार तरीके से मनाने की कोशिश करेंगे। शशि और वंशिका के साथ सीट खाली होगी। मेरे दोस्त आओ और हमें जश्न मनाते देखो।

ब्लडी डैडी का पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की आने वाली फिल्म ब्लडी डैडी का पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म ब्लडी डैडी के पोस्टर में शाहिद कपूर बेहद इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहिद कपूर के साथ अंकुर भाटिया भी हैं। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्टर को शेयर करते हुए बताया है कि इसका टीजर जल्द ही रिलीज होने वाला है। बताया जा रहा है कि फिल्म ब्लडी डैडी ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में शाहिद अंडरकवर कॉप के रोल में दिखने वाले हैं। फिल्म में वह अपने बेटे को छुड़ाने के लिए दुश्मनों से टक्कर लेते हुए दिखेंगे। फिल्म में रोनित रॉय और संजय कपूर ने विलेन की भूमिका निभाई है। 'ब्लडी डैडी' को फ्रेंच फिल्म 'निट ब्लैच' (स्लीपलेस नाइट) का आधिकारिक रीमेक बताया जा रहा है।

डंकी का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरूख खान की आने वाली फिल्म डंकी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी की आने वाली फिल्म डंकी में शाहरूख खान और तापसी पन्नू की मुख्य भूमिका है। शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी एक फ्रेम में नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान को ग्रीन रंग की टी शर्ट पहने देखा जा सकता है, वहीं उन्हें कंधे पर एक बैग टांगा हुआ है। बताया जा रहा है कि फिल्म डंकी ऐसे प्रवासियों पर आधारित कहानी है जो यूएस या कनाडा में शिफ्ट होना चाहती है। फिल्म 'डंकी' इसी साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

वरुण ने भेड़िया की दूसरी किस्त की घोषणा की

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म भेड़िया के दूसरे भाग की घोषणा की है। वरुण ने बुधवार को जियो स्टूडियोज इवेंट में यह घोषणा की। अभिनेता मंच पर आए और फिल्म भेड़िया 2 के एक पोस्टर का अनावरण किया। पिछले साल रिलीज हुई भेड़िया के प्रमोशन के दौरान उन्हें भेड़िये की आवाज निकालते हुए भी देखा गया था। दूसरी किस्त के बारे में विवरण अभी गुप्त रखा गया है। वरुण धवन और कृति सैनन-स्टारर भेड़िया अमर कौशिक द्वारा निर्देशित और दिनेश विजान द्वारा निर्मित थी। यह दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी की तीसरी किस्त है।

4 तरीके से कृत्रिम बुद्धिमत्ता छात्रों की कर सकती है मदद

चार्ल्सटन (अमेरिका) (द कन्वरसेशन)। चूंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ी भूमिका निभाते हैं, इसलिए वे शिक्षा की दुनिया को भी बदल रहे हैं। ओपनएआई का चैटजीपीटी, माइक्रोसाफ्ट का बिंग और गूगल का बार्ड जोखिम और अवसर दोनों के साथ आते हैं। मैं एक साक्षरता शिक्षक और शोधकर्ता हूं और यहां चार तरीके हैं, जिनसे मेरा मानना है कि छात्रों को सीखने में मदद करने के लिए इस प्रकार की प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है।

विभेदित निर्देश

एआई अनुकूलन शिक्षण उपकरण लोगों को अधिक सीखने और तेजी से सुधार करने में मदद करने के लिए सीखने के माहौल, सामग्री और कार्यों में तेजी से और गतिशील रूप से बदलाव करते हैं। उदाहरण के लिए, कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय में मानव-कंप्यूटर इंटरेक्शन संस्थान के शोधकर्ताओं ने गणित की समस्या को हल करने के लिए एक प्रणाली सिखाई। सिस्टम गणितीय नियमों को समझने के लिए एक मानव पर्यवेक्षक के निर्देशों का पालन कर सकता है और उन समस्याओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को अनुकूलित कर सकता है जिन्हें उसने पहले कभी नहीं देखा है। सिस्टम उन क्षेत्रों की पहचान भी कर सकता है जहां उसे सही उत्तर पर पहुंचने से पहले कई प्रयास करने पड़े, उन्हें शिक्षकों के लिए फ्लैग कर सकता है क्योंकि छात्र भ्रमित हो सकते हैं और सही उत्तर पर अधिक कुशलता से पहुंचने के लिए सिस्टम द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को हाइलाइट कर सकता है।

बुद्धिमान पाठ्यपुस्तकें

स्टैनफोर्ड के शोधकर्ता 'एन्क्वायर' शीर्षक वाले 'बुद्धिमान पाठ्यपुस्तक' नामक एक प्रोटोटाइप का विकास और परीक्षण कर रहे हैं। यह एक आईपैड ऐप है जो छात्रों के ऐप के साथ परस्पर संवाद करने के तरीके पर ध्यान देकर उनके पढ़ने के दौरान उनके फोकस और ध्यान पर नजर रखता है। पारस्परिक पाठ में स्पर्श या क्लिक द्वारा सुलभ कुंजी शब्दों की परिभाषाएं शामिल हैं और छात्रों को पढ़ने के दौरान हाइलाइट और एनोटेट करने में मदद देता है। पाठ्यपुस्तक भविष्य की पूछताछ के लिए सामग्री और क्षेत्रों के बारे में प्रश्नों का सुझाव भी दे सकती है जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनुकूलित हैं। यह पाठ के पढ़ने के स्तर को बदल सकता है और छात्रों को यह समझने में मदद करने के लिए पूरक फोटो, वीडियो और सामग्री भी शामिल करता है कि वे क्या पढ़ रहे हैं।

बेहतर मूल्यांकन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सीखने के पैटर्न की पहचान करके इसे बदलने की क्षमता है जो व्यक्तिगत शिक्षकों या प्रशासकों के लिए स्पष्ट नहीं हो सकता है। उदाहरण के लिए, भाषा-शिक्षण कंपनी डुओलिंगो विश्वविद्यालयों, कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के लिए अंग्रेजी दक्षता के परीक्षण बनाने और स्कोर करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करती है।

वैयक्तिकृत शिक्षा

शिक्षा के क्षेत्र में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम वाले चैटबॉट छात्रों को व्यक्तिगत, समय पर प्रतिक्रिया या सहायता के साथ मार्गदर्शन कर सकते हैं। ये चैटबॉट पाठ्यक्रम सामग्री या संरचना के बारे में सवालों के जवाब दे सकते हैं। यह छात्रों को प्रेरित और व्यस्त रखते हुए उन्हें अपने स्वयं के सीखने का ट्रैक रखने में मदद करता है। संगीत या वीडियो अनुशंसाओं की एक स्वचालित प्लेलिस्ट की तरह, एक एआई-संचालित अनुशंसा प्रणाली अनुरूप मूल्यांकन प्रश्न उत्पन्न कर सकती है, गलतफहमियों का पता लगा सकती है और एक शिक्षार्थी को तलाशने के लिए नए क्षेत्रों का सुझाव दे सकती है। इन एआई तकनीकों में आज और भविष्य में शिक्षार्थियों की मदद करने की क्षमता है।

'द क्रू' में नजर आएंगे कपिल शर्मा

मुंबई (वार्ता)। अभिनेता कपिल शर्मा फिल्म निर्माता एकता कपूर की फिल्म 'द क्रू' में काम करते नजर आ सकते हैं। एकता कपूर की फिल्म 'द क्रू' में करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सैनन की मुख्य भूमिका है। चर्चा है कि कपिल भी फिल्म 'द क्रू' में काम करने जा रहे हैं।

कृति सैनन पिछले महीने फिल्म की शूटिंग कर चुकी हैं वहीं, करीना कपूर खान कुछ दिन पहले ही टीम का हिस्सा बनी हैं, वहीं इस हफ्ते से, तब्बू भी फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। फिल्म 'द क्रू' को एकता कपूर और रिया कपूर मिलकर प्रोड्यूस करने वाली हैं। वहीं, राजेश कृष्णा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

बद्रीनाथ में गाडू घड़ा की रस्म हुई पूरी सुहागिनों ने तिलों का तेल पिरोया

नरेन्द्र नगर/ऋषिकेश (आईएएनएस)। 27 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए अगले 6 महीने के लिए खुल जाएंगे। उससे पहले बुधवार को बदरीनाथ धाम की गाडू घड़ा की रस्म पूरी हुई। जहां महारानी के साथ सुहागिन महिलाओं ने तिलों का तेल पिरोया। राजा मनुजयेंद्र शाह तथा महारानी मालाराज्य लक्ष्मी शाह, राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल की उपस्थिति में तेल पिरोने की रस्म पूर्ण की गई। बुधवार शाम को तेल कलश मंदिर समिति के चेलाचेतराम धर्मशाला ऋषिकेश में रात्रि विश्राम के लिए पहुंची। पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष विनोद डिमरी ने बताया कि तेल कलश यात्रा प्रथम चरण में बुधवार को नरेन्द्र नगर राजदरबार से शुरू हुई।

इसी दिन रात्रि प्रवास को मंदिर समिति के चेला चेतराम धर्मशाला ऋषिकेश पहुंचेगी। 13 अप्रैल को प्रातः से ही दोपहर तक चेलाचेतराम धर्मशाला ऋषिकेश में तेलकलश के दर्शन होंगे। भोग एवं पूजा के पश्चात 13 अप्रैल को तेलकलश श्रीनगर गढ़वाल रात्रि प्रवास हेतु प्रस्थान करेगा। 14 अप्रैल को तेलकलश श्रीनगर से लक्ष्मी नारायण मंदिर डिम्मर पहुंचेगा। 23 अप्रैल तक श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर डिम्मर में तेलकलश की पूजा की जायेगी। द्वितीय चरण में 24 अप्रैल को तेलकलश श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंचेगा। 25 अप्रैल को आदिगुरु शंकराचार्य जी की गद्दी सहित रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी के साथ गाडू घड़ा योग बदरी मंदिर पांडुकेश्वर पहुंचेगा।

26 अप्रैल को पांडुकेश्वर से आदिगुरु शंकराचार्य जी की गद्दी एवं रावल जी के साथ ही श्री उद्धव जी, श्री कुबेर जी के साथ गाडू घड़ा श्री बदरीनाथ धाम पहुंचेगा। 27 अप्रैल प्रातः सात बजकर 10 मिनट पर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं को दर्शनार्थ खुलेंगे। डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत अध्यक्ष आशुतोष डिमरी ने बताया कि ऋषिकेश में 13 अप्रैल प्रातः गाडू घड़ा तेलकलश मंदिर समिति के रेल्वे रोड धर्मशाला में रखा जाएगा।

श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को प्रातः 7 बजकर 10 मिनट पर विधि-विधान से खुल जाएंगे। ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीनगर, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, डिम्मर होते हुए तेलकलश यात्रा विभिन्न पड़ावों से होते हुए 26 अप्रैल शाम को बदरीनाथ धाम पहुंच जाएगी। कपाट खुलने के अवसर पर गाडू घड़ा के तिलों के तेल से भगवान बदरीविशाल का छह माह तक यात्राकाल में अभिषेक किया जाएगा।

कैंसस कैंसर सेंटर ने भारतवंशी डॉक्टरों को सम्मानित किया

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। द यूनिवर्सिटी ऑफ कैंसस कैंसर सेंटर के दो प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले अध्यापकों के रूप में सम्मानित किया गया है। ब्रेस्ट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट प्रियंका शर्मा और गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट प्रतीक शर्मा को क्रमशः कैंसर और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के अनुसंधान और उपचार में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। एमडी की डिग्री रखने वाली प्रियंका को फ्रैंक बी. टायलर कैंसर रिसर्च प्रोफेसरशिप से नवाजा गया है। वह ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर की विशेषज्ञ हैं। वह यूनिवर्सिटी ऑफ कैंसस स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में प्रोफेसर हैं और कैंसर सेंटर के ड्रग डिस्कवरी, डिलीवरी एंड एक्सपेरिमेंटल थेराप्यूटिक्स अनुसंधान कार्यक्रम की सह-प्रमुख हैं।

वह एसडब्ल्यूओजी की ब्रेस्ट कमेटी की उपाध्यक्ष हैं और एसडब्ल्यूओजी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) की स्तन कैंसर संचालन समिति की सदस्य हैं। एमडी की डिग्री रखने वाले प्रतीक शर्मा मेडिसिन के प्रोफेसर और यूनिवर्सिटी ऑफ कैंसस स्कूल ऑफ मेडिसिन में जीआई फेलोशिप ट्रेनिंग के निदेशक हैं। उन्हें ऐलेन ब्लेकॉक कैंसर रिसर्च प्रोफेसरशिप के देकर सम्मानित किया गया है। एक प्रसिद्ध गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजिस्ट और कैंसर तथा अन्य एसोफेजियल बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले प्रतीक शर्मा अमेरिकन सोसाइटी फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी के अगले अध्यक्ष निर्वाचित हो चुके हैं।

वह वर्ल्ड एंडोस्कोपी ऑर्गनाइजेशन की एसोफेजल कमेटी के अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं और अमेरिकन सोसाइटी फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनलएंडोस्कोपी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स के भी अध्यक्ष हैं। दोनों प्राध्यापकों को द यूनिवर्सिटी ऑफ कैंसस कैंसर सेंटर के वाइस चांसलर और निदेशक रॉय जेन्सेन द्वारा इन पदों पर नियुक्त किया गया है। जेन्सेन ने एक बयान में कहा, प्रियंका और प्रतीक शर्मा उत्कृष्ट लीडर और अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं। दोनों प्रोफेसरशिप के पाने के बाद वे अधिक नवीन विचारों पर काम कर सकते हैं जिससे कैंसर देखभाल में प्रगति हो सकती है।

जरा हट के जरा बच के में नजर आएगी विक्की और सारा की जोड़ी

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री सारा अली खान और अभिनेता विक्की कौशल की जोड़ी फिल्म जरा हटके जरा बच के में नजर आएगी। विक्की कौशल और सारा अली खान की आने वाली फिल्म का नाम 'जरा हटके जरा बचके' है। यह एक फैमिली फिल्म है। इसमें विक्की इंदौर के युवा के रोल में हैं। उन्होंने इस फिल्म के लिए हिंदी को इंदौरी टोन में बोलने का लहजा भी सीखा है। सारा का किरदार प्रॉपर इंदौर से नहीं रखा गया है। इस फिल्म को लक्ष्मण उटेकर निर्देशित करेंगे, जो एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। हाल ही में 'जरा हटके जरा बच के' फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। जिसमें सारा को नीले और लाल रंग की खूबसूरत साड़ी पहने और मंगलसूत्र और चूड़ियां पहने देखा जा सकता है। वहीं, विक्की कैजुअल आउटफिट में बाइक चलाते नजर आए थे। सारा और विक्की ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। अब फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है।

कलाकारों ने प्यार और संचार के बीज बोए

बैसाखी हंसी-खुशी और प्यार साझा करने, मतभेदों को दूर करने और कृतज्ञता व स्नेह व्यक्त करने का त्योहार है। यह सिर्फ परंपरा नहीं है, बल्कि एक भावना भी है,यह एक एहसास है जो हर किसी को प्यार और खुशी के बंधन में बांधता है। कलाकारों ने त्योहार मनाने की यादों को साझा किया और बताया

कावेरी प्रियम

मुझे पंजाबी संस्कृति और परंपराओं के बारे में गहरी समझ मिली है। खुशी की बात है। बैसाखी पर, मैं सभी से साथ जुटने और अपने संबंधों का सम्मान करने का आग्रह करती हूं। जीवन के उतार-चढ़ाव में समर्थन करने का संकल्प लें और फसल की कटाई और नए साल की शुरुआत का जश्न मनाएं। बैसाखी को परिवारों को साथ आने, पिछली शिकायतों को माफ करने और इस पल का आनंद लेने के रूप में लें।

पारस अरोड़ा

बैसाखी के साथ हम नया साल शुरू कर रहे हैं इसलिए मैं प्यार और करुणा के साथ रिश्तों को संजोने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं। बैसाखी भक्ति और आध्यात्मिकता की भावना से भर देती है और मेरा मूड अच्छा कर देती है।

पंकज बेरी

बैसाखी का त्योहार फसल कटाई का मौसम, भाईचारे और एकता की भावना को संजोएं हुए है। यह त्योहार सभी के लिए समृद्धि, खुशी और सफलता लाए। मुझे याद है बचपन में मैं अपने पूरे परिवार के साथ बैसाखी मनाता था और व्यंजनों का आनंद लेता था। पंजाबी के रूप में मैं सभी से उत्साह और जोश के साथ बैसाखी मनाने का आग्रह करता हूं। दुनिया में प्यार और सकारात्मकता फैलाएं और एकजुट हों।

संदीप बासवाना

हम नई शुरुआत और नवीनीकरण की भावना को अपनाएं। हमें बेहतर कल के लिए प्रयास करने और जीवन में सद्भाव और सद्भावना पैदा करने के लिए प्रेरित करेगा। बैसाखी पर फसल की कटाई के मौसम का जश्न मनाते हैं, सभी परिवार, दोस्तों और समुदाय के महत्व को भी याद रखें। यह मुझे हरियाणा में मेरे घर की याद दिलाता है, जहां साल के मेरे सभी चचेरे भाई हमारे यहां आते थे और सब अपने मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ बैठते और बात करते थे।

अभिषेक मलिक

बैसाखी सिख नव वर्ष का प्रतीक है, और शुभ दिनों में से है। हर साल मेरी मां और पत्नी कड़ा प्रसाद बनाती हैं और वाहे गुरु का आशीर्वाद लेने के लिए गुरु द्वारे में जाकर चढ़ाती हैं। मेरी मां दिल्ली से हमारे पास आ रही हैं। मेरी पत्नी के साथ, वे पंजाबी व्यंजन बनाएंगी।

अमन गांधी

बैसाखी पंजाबियों के लिए नई शुरुआत मानी जाती है। अपने घर पर इकट्ठा होकर स्वादिष्ट प्रसाद का लुत्फ उठते थे, जहां बढ़िया वक्त गुजारते और वाहे गुरु से प्रार्थना करते थे। मैं गुरु द्वारे जाऊंगा और सेहतमंद और खुशहाल जिंदगी की प्रार्थना करूंगा। मां के हाथ के स्वादिष्ट पिड़ी छोले और खीर को जरूर मिस करूंगा।

शगुन पांडे

पंजाबी होने के नाते, मुझे इस दिन पंजाबी पोशाक पहनना और ढेर सारे स्वादिष्ट व्यंजन खाना बहुत अच्छा लगता है। हम अपने घर पर कड़ा प्रसाद बनाते हैं, वाहे गुरु को अर्पित करते हैं और आने वाले साल के लिए आशीर्वाद मांगते हैं।

मोहित मल्होत्रा

बैसाखी हमारा एक प्रमुख त्यौहार है, यह त्यौहार हिंदू सौर नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, इसलिए मैं हर साल अपनी सोसाइटी में, इसे अपने परिवार के साथ मनाता हूं और ढोल की थाप पर पंजाब का लोक नृत्य भांगड़ा करता हूं।

निमश तनेजा

बैसाखी फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। जब मैं छोटा था, शाम को सोसाइटी में जलसा होता था, जहां सभी दिल से डांस करते थे। मैं गुरु द्वारा जाता हूं और बाबा जी से आशीर्वाद लेता हूं।

संक्षिप्त खबरें

सोना 340 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 340 रुपए की मजबूती के साथ 61,280 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,940 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,110 रुपए की तेजी के साथ 77,150 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली के बाजार में सोने का हाजिर भाव 340 रुपए बढ़कर 61,280 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया।'

अनुपम रसायन का करार

नई दिल्ली। रसायन बनाने वाली कंपनी अनुपम रसायन ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) के साथ 1,500 करोड़ रुपए के तीन उच्च मूल्य वाले विशेष रसायनों के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। अनुपम रसायन के प्रबंध निदेशक आनन्द देसाई ने कहा कि यह उत्पाद हमारी विनिर्माण सुविधाओं में बनाया जाएगा। देसाई ने कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने अपने पोर्टफोलियो में तीन नए उत्पाद जोड़ने के लिए एक प्रमुख जापानी कंपनी के साथ साझेदारी की है।

एंड्रोमिडा ने कर्ज बांटा

नई दिल्ली। ऋण वितरण नेटवर्क एंड्रोमिडा सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन ने वित्त वर्ष 2022-23 में ऋण वितरण में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। सभी तरह के ऋणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऋण वितरण 63 प्रतिशत बढ़कर 60,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सिटी बैंक के सेल्स एसोसिएट के तौर पर एंड्रोमिडा की शुरुआत 1991 में हुई थी और तबसे विस्तार करते हुए भारत की सबसे बड़ी ऋण वितरण फर्म बनकर उभरा है। एंड्रोमिडा मुख्य तौर पर होम लोन, लोन अगेंस्ट प्रापर्टी, पर्सनल लोन वितरित करती है।

विनिर्माण क्षमता बढ़ाएगी वीवो

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने कहा कि वह देश में अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए इस साल के अंत तक 1,100 करोड़ रुपए का और निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि इसके तहत ग्रेटर नोएडा में तैयार हो रही इकाई में 2024 की शुरुआत तक उत्पादन शुरू हो जाएगा। वीवो ने कहा कि वह 2023 में 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की 10 लाख से ज्यादा इकाइयों का निर्यात करने की दिशा में सही चल रही है। उसने 2022 में अपने 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की पहली खेप थाईलैंड और सऊदी अरब भेजी थी।

इंफोसिस का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। इंफोसिस का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़कर 6,128 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5,686 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी के तिमाही वित्तीय परिणाम अनुमान से नीचे रहा। बेंगलुरु की कंपनी इंफोसिस का आलोच्य अवधि में एकीकृत आय 16 प्रतिशत बढ़कर 37,441 करोड़ रुपए रही। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राजस्व में 4-7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है।

रुपया 27 पैसे मजबूत

मुंबई। विदेशी बाजारों में डालर के कमजोर रुख के साथ अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को डालर के मुकाबले रुपया 27 पैसे की तेजी के साथ 81.84 (अस्थायी) प्रति डालर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले 81.99 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 27 पैसे की तेजी के साथ 81.84 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपए में 81.83 के उच्चस्तर और 82.01 के निम्न स्तर और के बीच घटबढ़ हुई।(एजेंसी)

यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इजाफा

■ मार्च में 27% बढ़कर 39 लाख पर पहुंची ■ यूटिलिटी वाहनों की बिक्री में अच्छी वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)।

देश के यात्री वाहनों की बीते वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू थोक बिक्री 26.73 प्रतिशत बढ़कर 38.9 लाख इकाई से अधिक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री बढ़कर 38,90,114 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 30,69,523 इकाई थी।

यात्री वाहनों की पिछली सबसे अधिक थोक बिक्री वित्त वर्ष 2018-19 में 33,77,436 इकाई थी। आलोच्य अवधि के उपयोगी (यूटिलिटी) वाहनों की अच्छी बिक्री से यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि को मदद मिली है। इस दौरान यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 34.55 प्रतिशत बढ़कर 20,03,718 इकाई रही। वित्त वर्ष 2021-22 में 14,89,219 वाहन बिके थे। इस श्रेणी में यात्री वाहन का हिस्सा 51.5 प्रतिशत है।

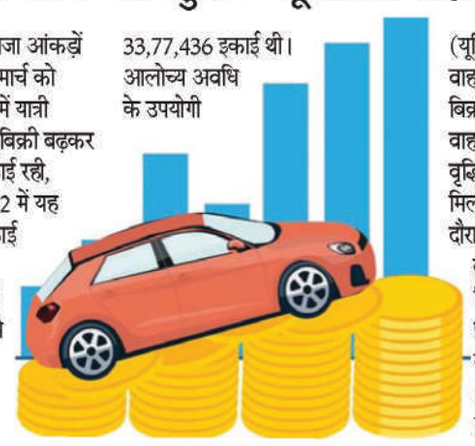

सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि कोविड महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022-23 बिक्री के लिहाज से अच्छा वर्ष रहा है। हालांकि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान फिर से शुरू हो गया।

चीन से आयातित कुछ इस्पात उत्पादों पर प्रतिपूर्ति शुल्क जारी रखने की सिफारिश

नई दिल्ली (भाषा)।

वाणिज्य मंत्रालय ने चीन से आयातित कुछ फ्लैट रोल्ड इस्पात उत्पादों पर 18.95 प्रतिशत का प्रतिपूर्ति शुल्क (सीवीडी) पांच साल के लिए जारी रखने की सिफारिश की है। इस कदम का मकसद घरेलू विनिर्माताओं को चीन से सब्सिडी वाले आयात से बचाना है।

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय ने इस मामले की समीक्षा के बाद प्रतिपूर्ति शुल्क को पांच साल तक जारी रखने का सुझाव दिया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड व जिंदल स्टेनलेस (हिसार) ने संयुक्त रूप से जांच को शुरू करने के लिए डीजीटीआर के समक्ष आवेदन किया था।

भारत और इटली को ईयू के साथ FTA का भरोसा

रोम (भाषा)।

भारत और इटली ने नई दिल्ली और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता की प्रगति पर चर्चा की है और इसके जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई है। वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पिछले साल जनवरी में भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते, निवेश संरक्षण और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के लिए बातचीत फिर से शुरू की है। इटली ईयू का सदस्य है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री एंटोनियो ताजानी के बीच 12 अप्रैल को हुई बैठक में यह मुद्दा उठा।

एक बयान में कहा गया है, 'दोनों मंत्रियों ने एक मुक्त, संतुलित और निष्पक्ष मुक्त व्यापार समझौते को रेखांकित करते हुए इसके जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई।' दोनों नेताओं के बीच सितम्बर के अंतिम सप्ताह में रोम में आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग (जेसीईसी) के अगले सत्र के आयोजन पर भी सहमति बनी। ताजानी ने सहयोग बढ़ाने के लिए अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, रक्षा और कृषि जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में एक संयुक्त कार्यसमूह के गठन का सुझाव दिया। ताजानी ने दोनों देशों की संसद के बीच संसदीय मैत्री समूह कूटनीति को मजबूत करने और साइबर वार्ता की संभावनाएं तलाशने का सुझाव दिया।

गोयल ने जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। गोयल यहां के आधिकारिक दौरे पर हैं। उनके साथ एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें भारतीय उद्योग और विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातक शामिल हैं। इस बीच, यहां भारत और इटली के कारोबारियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इटली की कंपनियों के लिए भारत में निवेश के बड़े अवसर हैं।

भारत के निर्यात पर उन्होंने कहा कि भारत ने 2021-22 में 676 अरब डालर की वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात किया। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में हमारा निर्यात का आंकड़ा 765 अरब डालर पर पहुंच गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2030 तक देश का निर्यात 2,000 अरब डालर पर पहुंच जाएगा।

शेयर बाजार में लगातार नौवें दिन बढ़त दर्ज

मुंबई (भाषा)।

घरेलू खुदरा मुद्रास्फीति के उत्साहजनक आंकड़ों के बीच बैंक, वित्तीय और रियल्टी शेयरों में खरीदारी के कारण प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बृहस्पतिवार को लगातार नौवें दिन तेजी के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर आईटी शेयरों में कमजोर रुख और मंदी की ताजा चिंताओं के चलते अमेरिकी शेयर बाजारों में बुधवार को हुई गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजारों में बढ़त सीमित रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 38.23 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 60,431 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 60,486.91 के ऊपरी और 60,081.43 के निचले स्तर तक पहुंचा। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 15.60 अंक या 0.09 प्रतिशत चढ़कर 17,828 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक और टाटा मोटर्स बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे।

आईटी उद्योग में छंटनी से अमेरिकी सांसद चिंतित

■ आव्रजन एजेंसी को पत्र लिखकर एच-1बी वीजाधारकों को रोकने का अग्राह

वाशिंगटन (भाषा)।

प्रौद्योगिकी उद्योग में बड़े पैमाने पर छंटनी को लेकर अमेरिकी सांसदों ने चिंता जताई है। सिलिकॉन वैली से कुछ सांसदों के समूह ने अमेरिकी आव्रजन एजेंसी को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि नौकरी गंवाने के बाद भी बेहद दक्ष एच-1बी वीजाधारकों को देश में ही रोका जाए। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों में इस वीजा की काफी मांग है।

गूगल, माइक्रोसाफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों द्वारा हाल में छंटनी का सिलसिला शुरू किए जाने के बाद हजारों की संख्या में विदेश में जन्मे कुशल पेशेवरों ने नौकरी गंवा दी है। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं।

अमेरिकी मीडिया की खबरों के अनुसार पिछले साल नवम्बर से करीब दो लाख आईटी पेशेवरों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

रोजगार संकट

- माइक्रोसाफ्ट, अमेजन और गूगल जैसी कंपनियों ने की है बड़े पैमाने पर छंटनियां
- छंटनी में 30 से 40 फीसद कर्मचारी भारतीय
- अमेरिका में बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं एच-1बी वीजा धारक भारतीय कर्मचारी
- सांसदों ने इन प्रतिभाओं को देश से बाहर भेजने में अमेरिका का होगा नुकसान

उद्योग के लोगों का कहना है कि इनमें भारतीय आईटी पेशेवरों की संख्या 30 से 40 प्रतिशत के बीच है। इनमें उल्लेखनीय संख्या में आईटी पेशेवर एच-1बी और एल1 वीजा पर यहां आए हैं। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं के (यूएससीआईएस) के उर मेंडोज़ा जद्दू को लिखे पत्र में सांसदों ने कहा है कि प्रवासियों के इस समूह के पास ऐसा कौशल है जो आज की ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अत्यधिक मूल्यवान है और उन्हें अमेरिका छोड़ने के लिए मजबूर करना हमारे देश की दीर्घावधि की प्रतिस्पर्धा के लिए नुकसानदायक है।

यह पत्र कांग्रेस के सदस्य जो लोफग्रेन, रो खन्ना, जिमी पैनेटा और केविन मुलिन ने भेजा है। लोफग्रेन आव्रजन पर सदन की उपसमिति के पूर्व अध्यक्ष हैं।

आईआरपी पर सात दिन में डालना होगा ई-चालान

नई दिल्ली (भाषा)। सौ करोड़ रुपए और उससे अधिक के कारोबार वाली कंपनियों को अपने इलेक्ट्रॉनिक इन्वॉयस (चालान) को सात दिन के अंदर चालान पंजीकरण पोर्टल (आईआरपी) पर डालना होगा। माल एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह व्यवस्था एक मई से लागू होने जा रही है। इस तरह का चालान जारी होने के सात दिन के भीतर ऐसी कंपनियों को इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप में आईआरपी पर 'अपलोड' करना होगा। अभी कंपनियां इस तरह के इन्वॉयस को वर्तमान तिथि पर डालती है। इसमें इन्वॉयस को जारी करने की तिथि से कोई लेना-देना नहीं होता।

करदाताओं के लिए एक परामर्श में जीएसटी नेटवर्क ने कहा कि सरकार ने 100 करोड़ रुपए से या उससे अधिक के सालाना कारोबार वाले करदाताओं के लिए पुराने चालान को ई-इन्वॉयस आईआरपी पोर्टल पर 'रिपोर्ट' करने की समयसीमा तय करने का फैसला किया है। जीएसटीएन ने कहा कि समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस श्रेणी के करदाताओं को सात दिन से अधिक पुराने इन्वॉयस को 'रिपोर्ट' करने की अनुमति नहीं होगी।

मुंबई मेट्रो के संचालन के लिए डीएमआरसी ने लगाई सबसे कम बोली

नई दिल्ली (भाषा)।

मुंबई मेट्रो के 33.5 किलोमीटर लंबी लाइन-3 के संचालन और देखभाल के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सबसे कम बोली लगाई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मुंबई मेट्रो की प्रस्तावित लाइन-3 आरे से कफे परेड तक चलेगी। इस लाइन पर 27 मेट्रो स्टेशन पड़ेंगे। अगर डीएमआरसी को यह काम मिल जाता है तो इस प्रक्रिया से डीएमआरसी के एनसीआर से बाहर किसी परियोजना में जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। डीएमआरसी ने बयान में कहा, 'मुंबई मेट्रो की लाइन-3 इस समय मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत निर्माणाधीन है और इसके कुछ भागों के इस साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है।'

टैक्सी बोट इस्तेमाल करेगी एयर इंडिया

■ फिलहाल दिल्ली और बेंगलुरु हवाईअड्डों पर किया जाएगा इनका इस्तेमाल

नई दिल्ली (भाषा)।

विमानन कंपनी एयर इंडिया अपने ए320 विमान बेड़े के लिए दिल्ली और बेंगलुरु हवाईअड्डों पर टैक्सीबोट का संचालन शुरू करेगी। माना जा रहा है कि इससे तीन साल में 15,000 टन तक विमान ईंधन बचाया जा सकता है।

बृहस्पतिवार को जारी बयान के अनुसार, विमानन कंपनी ने टैक्सीबोट का संचालन शुरू करने के लिए केएसयू एविएशन के साथ समझौता किया है। टैक्सीबोट एक तरह से रोबोटिक उपकरण है जो विमान के अगले हिस्से को लैंड करने में काम करता है। यह विमान के लैंड होने के बाद उसे एयरपोर्ट टर्मिनल दरवाजे से टैक्सी मिलने वाले स्थान तक खींचकर ले जाने का काम करता है। इस दौरान विमान का इंजन बंद होता है, जिससे ईंधन की बचत होती है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, 'टैक्सीबोट अपनाने से तीन साल में लगभग 15,000 टन विमान ईंधन बचाया जा सकता है।' एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि विमानन कंपनी परिचालन को पर्यावरण अनुकूल बनाने तथा अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के तरीकों की लगातार तलाश कर रही है।

बिना पूर्व सहमति प्रमाण के अधिक ईपीएफ अंशदान करने का प्रावधान करे ईपीएफओ

कोच्चि (भाषा)।

केरल उच्च न्यायालय ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से कहा है कि वह कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को पूर्व सहमति का प्रमाण पत्र देने की जरूरत के बिना अधिक अंशदान का विकल्प चुनने की अनुमति देने के लिए अपनी आनलाइन प्रणाली में प्रावधान करे।

न्यायमूर्ति जियाद रहमान ने बुधवार को कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया। याचिका में दावा किया गया था कि अधिक योगदान का विकल्प चुनते समय दिए पूर्व अनुमति की एक प्रति देनी होती है, जो ईपीएफ योजना, 1952 के तहत अनिवार्य है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस तरह की अनुमति देने के लिए ईपीएफओ ने कभी भी जोर नहीं दिया और वह उच्च योगदान को स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे ऑनलाइन विकल्प फॉर्म में उक्त कॉलम को नहीं भर पा रहे है, और पूर्व सहमति का प्रमाण दिए बिना वे सफलतापूर्वक ऑनलाइन विकल्प जमा नहीं कर पाएंगे। यदि वे तीन मई की अंतिम समयसीमा से पहले ऐसा नहीं करते है, तो वे योजना के लाभ से वंचित हो जाएंगे। उच्चतम न्यायालय उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिये तीन मई तक का समय दिया है। ईपीएफओ ने दलीलों का विरोध करते हुए तर्क दिया कि लाभ पाने के लिए अनुमति 'महत्वपूर्ण आवश्यकता' है। सभी की दलीलों को सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत मिलनी चाहिए।

अदालत ने कहा, 'उच्चतम न्यायालय ने विकल्प जमा करने के लिए अंतिम तारीख तीन मई, 2023 तय की है। अब ईपीएस योजना के पैरा 26(6) के तहत विकल्प का विवरण प्रस्तुत करने के लिए ईपीएफओ पूर्व सहमति के प्रमाण पर जोर दे रहा है। साथ ही इसके लिए प्रदान की गई ऑनलाइन सुविधा की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए, उन्हें उक्त विकल्प को लेकर आवेदन जमा करने से एक तरह से रोका जा रहा है।"

देश का निर्यात वित्त वर्ष छह प्रतिशत बढ़कर 447 अरब डालर पर

रोम (भाषा)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2022-23 में करीब छह प्रतिशत बढ़कर रिकार्ड 447 अरब डालर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम, औषधि, रसायन तथा समुद्री उत्पादों के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से निर्यात अच्छा रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात 422 अरब डालर था।

देश का आयात भी आलोच्य वित्त वर्ष में 16.5 प्रतिशत बढ़कर 714 अरब डालर रहा जो एक साल पहले 2021-22 में 613 अरब डालर था। गोयल ने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात नई ऊंचाई पर पहुंचा है और 2022-23 में 14 प्रतिशत बढ़कर 770 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 676 अरब डालर था।

तेज वृद्धि के बावजूद भू-राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंतित है भारत

वाशिंगटन (भाषा)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत इस साल देश की अर्थव्यवस्था के लिए छह प्रतिशत से अधिक की अनुमानित वृद्धि दर के बावजूद वैश्विक आर्थिक भू-राजनीतिक माहौल को लेकर चिंतित है।

उन्होंने यहां एक बैठक के दौरान वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में कहा कि मौजूदा प्रतिकूल परिस्थितियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जबर्दस्त प्रभाव डाला है। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही ऊंची ब्याज दरों, मुद्रास्फीतिक दबाव से प्रभावित है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में बैंकिंग क्षेत्र में हालिया संकट ने वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए चुनौतियों को और बढा दिया है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों की वजह से खाद्य, ईंधन और उर्वरक क्षेत्रों पर दबाव है। इससे खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा संकट बढा है। इन कारणों से विशेषरूप से दुनिया में गरीब और सीमान्त वर्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा, 'आज समय की जरूरत लोगों की अगुवाई में सहमति आधारित और सामूहिक पहल की है, जिससे वैश्विक वित्तीय चुनौतियों से निपटा जा सके।'

वित्त मंत्री व आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता में हुई जी 20 की बैठक

वाशिंगटन (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के साथ यहां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) विश्व बैंक वसंत बैठक के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना पर आयोजित जी 20 एफएमसीबीजी के बैठक के पहले दिन की सह अध्यक्षता की।

वित्त मंत्रालय ने ट्विट के माध्यम से यह जानकारी दी। वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक जी20 नेताओं के 2023 में होने वाले शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत मंत्रिस्तरीय बैठकों में से एक है। बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक ऋण संकट का समाधान वैश्विक गरीबी की चुनौती को जल्द से जल्द निपटाने में निहित है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से ऋणग्रस्त देशों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि दुनिया के सबसे गरीब लोग इन्हीं देशों में रहते है।

विज्ञापनदाताओं की प्रतिक्रिया से उत्साहित है जियो सिनेमा

नई दिल्ली (भाषा)।

रिलायंस के स्वामित्व वाले जियो सिनेमा को उम्मीद है कि वह आईपीएल के प्रसारण के लिए किए गए निवेश की भरपाई अगले साल से पहले कर लेगा।

कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वह दर्शकों की 'रिकार्ड संख्या' और विज्ञापनदाताओं की प्रतिक्रिया से उत्साहित है। जियो सिनेमा के पास टाटा आईपीएल के लाइव स्ट्रीमिंग का अधिकार है। टाटा आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रायल्स के बीच बुधवार को खेले गए मैच में 2.2 करोड़ की अधिकतम दर्शकों की संख्या हासिल करने के बाद जियोसिनेमा काफी उत्साहित है। जियोसिनेमा को टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ दर्शकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

इस मंच ने अब तक 23 प्रायोजकों को अपने साथ जोड़ा है और 100 से अधिक छोटे विज्ञापनदाताओं के साथ करार किया है। वायकॉम 18 स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिल जयराज ने कहा कि करीब दो महीने तक चलने वाले टी20 टूर्नामेंट के आगे बढ़ने पर दर्शकों की संख्या और बढ़ेगी।

यह पूछने पर कि क्या रिलायंस आईपीएल में किए गए निवेश को हासिल कर लेगी, क्योंकि उसने मुफ्त स्ट्रीमिंग दी है, जयराज ने कहा, 'हमारी योजना थी कि हम किए गए निवेश को तीन साल या उससे थोड़ा अधिक वक्त में हासिल कर लेंगे, लेकिन हम उससे बहुत बेहतर कर रहे है।'

उन्होंने कहा, "व्यापार योजना पांच साल के लिए बनाई गई थी। हम एक साल में उस योजना से काफी आगे है।' यह पूछने पर कि क्या कंपनी समय से पहले अपने लक्ष्य तक पहुंच जाएगी, जयराज ने कहा, 'उम्मीद है कि ऐसा होगा।'

आईपीएल के इस सत्र में दर्शकों की संख्या के लिए टीवी और डिजिटल मंच के बीच प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने 2023-27 के लिए आईपीएल के प्रसारण अधिकार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे है।

डिजनी स्टार ने भारतीय उपमहाद्वीप के लिए 23,575 करोड़ रुपये में टेलीविजन अधिकार हासिल किए और रिलायंस समर्थित वायकॉम 18 ने 20,500 करोड़ रुपए में डिजिटल प्रसारण अधिकार हासिल किए।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	04	03	01	06	1.588
लखनऊ	04	03	01	06	1.048
कोलकाता	03	02	01	04	1.375
गुजरात	04	03	01	06	0. 341
चेन्नई	04	02	02	04	0.225
पंजाब	04	02	02	04	-0.226
बेंगलुरु	03	01	02	02	-0.800
मुंबई	03	01	02	02	-0.879
हैदराबाद	03	01	02	02	-1.502
दिल्ली	04	00	04	00	-1.576

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
शिखर धवन	पंजाब	03	233
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	04	209
जोस बटलर	राजस्थान	04	204
ऋतुराज	चेन्नई	04	197
शुभमन गिल	गुजरात	03	183

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	04	10
मार्क वुड	लखनऊ	03	09
राशिद खान	गुजरात	04	09
अर्शदीप सिंह	पंजाब	04	07
एस जोसेफ	गुजरात	04	07

अश्विन पर 25 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगा

चेन्नई। राजस्थान रॉयल्स के वेटरन ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफबुधवार के मुकाबले में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस के 25 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है। एक बयान के अनुसार अश्विन को आचार संहिता की धारा 2.7 के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया और उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस मामले में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्य होता है। अश्विन ने कहा कि वह चेन्नई के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 12वें ओवर में मैदानी अम्पायर के ओस के कारण गेंद को बदलने के फैसले से हैरान रह गए जबकि उनकी टीम ने ऐसा कोई आग्रह नहीं किया था।

गुजरात ने लगाया जीत का चौका

शुभमन गिल के 67 रनों की बदौलत पंजाब को छह विकेट से हराया

मोहाली। गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल (49 गेंद, 67 रन) के शानदार अर्द्धशतक की बदौलत पंजाब किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में गुरुवार को छह विकेट से मात दी। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात के सामने 154 रन का लक्ष्य रखा, जिसे गत चैंपियन ने एक गेंद रहते हुए हासिल किया। मोहाली में इस छोटे स्कोर का रक्षण आसान नहीं था लेकिन पंजाब के गेंदबाजों ने अपने दमदार प्रदर्शन से मुकाबले को रोमांचक बनाया। गुजरात को जब आखिरी ओवर में सात रन की जरूरत थी तब सैम करेन ने पहली गेंद पर सिर्फ एक रन देने के बाद दूसरी गेंद पर गिल को बोल्ड कर दिया। राहुल तेवतिया और डेविड मिलर तीसरी एवं चौथी गेंद पर एक-एक रन ही ले सके, लेकिन तेवतिया ने अविश्वसनीय धीरज का प्रदर्शन किया और पांचवीं गेंद को फाइन लेग की ओर स्कूप करके गुजरात को जीत दिलाई। गुजरात चार मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि पंजाब चार मैचों में दो जीत और दो हार के साथ छठे स्थान पर है। गुजरात के लिये पारी की शुरुआत करने उतरे ऋद्धिमान साहा ने ताबड़तोड़ शुरुआत करते हुए तीसरे ओवर में पंजाब के शीर्ष गेंदबाज अर्शदीप सिंह के विरुद्ध 18 रन जोड़े। साहा ने 19 गेंद पर पांच चौके लगाकर 30 रन बनाये लेकिन आक्रामकता के साथ खेलने के प्रयास में कागिसो रबाडा की बाउंसर को डीप बैकवर्ड स्क्वैयर के हाथों में मार बैठे।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
प्रभसिमरन कै. राशिद बो. शमी	00	02	0/0
धवन कै. जोसेफ बो. लिटले	08	08	2/0
मैथ्यू शार्ट बो. राशिद	36	24	6/1
राजपक्षा कै.गिल बो. जोसेफ	20	26	1/0
जितेश कै. शाहा बो. शर्मा	25	23	5/0
सैम करेन कै. गिल बो.शर्मा	22	22	1/1
खान रनआउट	22	09	1/2
हरप्रीत नाबाद	08	05	0/1
रिषी धवन रन आउट	01	01	0/0

अतिरिक्त: 09, कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 153 रन **विकेट पतन:** 1-0, 2-28, 3-55, 4-92, 5-115, 6-136, 7-152, 8-153 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-44-1, जोश लिटले 4-0-31-1, जोसेफ 4-0-32-1, राशिद खान 4-0-26-1, मोहित शर्मा 4-0-18-2,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
रिद्धिमान कै. शार्ट बो. रबाडा	30	19	5/0
गिल बो. करेन	67	49	7/1
सुदर्शन कै.प्रभसिमरन बो.अर्शदीप	19	20	2/0
हार्दिक कै.करेन बो.हरप्रीत	08	11	1/0
मिलर नाबाद	17	18	1/0
तेवतिया नाबाद	05	02	1/0

अतिरिक्त: 08, कुल: 19.5 ओवर में चार विकेट पर 154 रन **विकेट पतन:** 1-48, 2-89, 3-106, 4-148, **गेंदबाजी:** अर्शदीप सिंह 4-0-33-1, रबाडा 4-0-36-1, हरप्रीत 4-0-20-1, सैम करेन 3.5-0-25-1, राहुल चाहर 3-0-24-0, मैथ्यू शार्ट 1-0-08-0,

गुजरात ने पावरप्ले में बनाए 56 रन

गुजरात साहा का विकेट गिरने के बाद पावरप्ले में 56 रन बनाने में सफल रही और रनगति धीमी पड़ने पर भी गिल ने पारी को संभाले रखा। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिये 41 रन की साझेदारी भी की। गिल ने 40 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया, हालांकि साई सुदर्शन (20 गेंद, 19 रन) और हार्दिक पांड्या (11 गेंद, आठ रन) बड़ा योगदान दिये बिना पवेलियन लौट गये। पंजाब ने चौके-छक्के रोककर गुजरात की पारी को काबू में रखा था लेकिन गिल का विकेट न ले पाना उनके लिये भारी साबित हुआ। गुजरात को जब तीन ओवर में 25 रन की जरूरत थी तब गिल ने रबाडा को एक छक्का और एक चौका लगाकर 12 रन बटोरे। पंजाब ने हालांकि यहां से भी मैच को रोमांचक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अर्शदीप ने 19वें ओवर में मात्र छह रन दिये, जिसके बाद गुजरात आखिरी ओवर में जीत से सात रन दूर थी। करेन ने शुरुआती दो गेंद पर मात्र एक रन देकर एक विकेट भी चटकाया। उन्होंने अगली दो गेंदों पर दो अचूक यॉर्कर फेंकीं, लेकिन तेवतिया ने पांचवीं गेंद को घुटनों पर बैठकर फाइन लेग की दिशा दिखा दी। गेंद फील्डर को चकमा देते हुए सीमा रेखा की ओर चली गयी और गुजरात ने जीत दर्ज की। पंजाब के लिये हरप्रीत बराड़ ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 20 रन देकर एक विकेट लिये। पहले ओवर में 18 रन देने के बाद अर्शदीप ने कसी हुई गेंदबाजी की और चार ओवर में एक विकेट चटकाते हुए मात्र 33 रन दिये। कागिसो रबाडा ने चार ओवर में एक विकेट लेकर 36 रन दिये।

पंजाब की खराब शुरुआत

इससे पूर्व, गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और मोहम्मद शमी ने पहले ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह को आउट करके टीम को मजबूत शुरुआत दी। कप्तान शिखर धवन ने दबाव हटाने के लिये दो चौके लगाये लेकिन जोशुआ लिटिल ने उन्हें आठ रन पर पवेलियन लौटा दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गिरने के बावजूद मैथ्यू शॉर्ट ने आक्रामकता का प्रदर्शन किया और पंजाब को पावरप्ले में 52/2 के स्कोर तक पहुंचाया। शॉर्ट ने 24 गेंद पर छह चौके और एक छक्का लगाकर 36 रन बनाये लेकिन कोई बड़ा प्रभाव डालने से पहले राशिद खान का शिकार हो गये। राशिद ने मध्य ओवरों में स्पिन का अच्छा मिश्रण करते हुए रनगति पर लगाम लगायी। गुजरात के लिये डेब्यू कर रहे मोहित शर्मा ने उनका बखूबी साथ दिया और जितेश शर्मा (23 गेंद, 25 रन) का महत्वपूर्ण विकेट भी निकाला। पंजाब ने 15 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर मात्र 99 रन बनाने के बाद अंतिम ओवरों में हाथ खोलने चाहे और इस प्रयास में उनके विकेट भी गिरते रहे। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये भानुका राजपक्षे 26 गेंद पर 20 रन बनाने के बाद अल्जारी जोसेफ का शिकार हो गये।

देश के पहले दिव्यांग प्रीमियर लीग का खिताब भोपाल को, संभाग रीवा को हराकर भोपाल बना चैंपियन

भोपाल। मध्य प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित देश के प्रथम दिव्यांग प्रीमियर लीग का खिताब भोपाल ने जीत लिया है। फाइनल मुकाबला भोपाल और रीवा संभाग के बीच खेला गया। भोपाल ने पहले बल्लेबाजी की है। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग जोड़ी ने इस मैच में भी धमाकेदार शुरुआत की, जिसमें वेदांत गुप्ता ने 26 रन और निखिल मेवाड़ा ने 6 चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए। वहीं मानसिंह ने 2 चौकों की सहायता से 19 रन और सचिन ने 13 रन का सहयोग दिया। इस तरह 20 ओवर में भोपाल की टीम ने कुल 161 रन बनाए। 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम शुरुआत में ही लड़खड़ा गई। रीवा की ओर से अंकित 27 और संजय 17 रन ही दहाई के अंक तक पहुंच पाए। अनु भैया टूर्नामेंट की मुख्य आयोजनकर्ता जबलपुर की महापौर श्रीमती प्रतिष्ठा द्विवेदी एवं प्रीति त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के महासचिव हारून रशीद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। महापौर अनु भैया ने विजेता उपविजेता को ट्रॉफी प्रदान की और वहीं अन्य पुरस्कारों से खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। समापन समारोह में योगेश अग्रवाल, न्यायाधीश बैंक ऑफबड़ौदा से विक्रांत श्रीवास्तव, आशीष यादव, आशीष वर्मा, विश्वामित्र अवॉर्डी सारिका गुप्ता, ब्राह्मण महासभा से वीरेंद्र तिवारी, प्रशांत मिश्रा, डॉ नितिन सोनी, लिटिल आइंस्टीन स्कूल की संचालिका श्रीमती निकिता राय दुबे और उनके स्कूल के बहुत सारे विद्यार्थी उपस्थित थे।

एमडब्ल्यू कनमदिकर ट्रॉफी के लिए भोपाल टीम की घोषणा

भोपाल। भोपाल संभाग क्रिकेट के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने एमडब्ल्यू कनमदिकर ट्रॉफी के लिए भोपाल टीम की घोषणा की। भोपाल अपना पहला मैच नर्मदापुरम से 14 और 15 अप्रैल को फेथ क्रिकेट ग्राउंड पर रातिबढ़ में खेलेगी। इस मौके पर भोपाल सम्भाग क्रिकेट के सचिव रजत मोहन वर्मा, अविनाश पाठक, चेयरमैन सिलेक्शन कमिटी राजीव सक्सेना, सह सचिव अनवर उस्मानी, टीम के कोच अभिषक सिंह हैं। **टीम इस प्रकार है:** आरव मसीह कप्तान, अंश यादव, उप कप्तान, नवनीत सोनी, आर्यवीर मेगवानी, सारांश सिंह, नैतिक जैन, साहिल सक्सेना, अक्षत सिंह, तेजस पटेल, आराध्या सिंह भदौरिया, दिशांत पाटीदार, आंय जैन, दीर्घ श्रीवास्तव, ग्रन्द्र प्रजापति, आहान शर्मा, स्टैंडबाय वंश सिंह, होमी सोलंकी, मुसाब जावेद, अनहद सिंह, शाजेब सलमानी,देव बगेल, कोच अभिषेक सिंह, अनवार उस्मानी।

आयुष के धमाकेदार शतक से अस्तिव एनर्जी विजयी

भोपाल। आयुष कुशवाह के शानदार शतक 110 रन की मदद से अस्तिव एनर्जी ने फ्रेंडशिप कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हमीदिया ग्रीन को 106 रनों से पराजित किया। स्थानीय नेहरू नगर मैदान पर खेले गए मुकाबले में अस्तिव एनर्जी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 228 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसमें आयुष कुशवाह ने 110 रन और आलोक तिवारी ने 38 रनों की पारी खेली। हमीदिया ग्रीन की तरफ से आसिफ खान ने पांच विकेट चटकाए। प्रकाश शर्मा, मेंहफूज अली व केके गंगवार ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में हमीदिया ग्रीन की टीम 116 रन ही बना सकी। कृष्णकांत गंगवार ने 30 रन, ओसाफ उर रहमान ने 17 रन, अभिजीत कजले ने 26 रन व मेंहफूज अली ने 16 रनों का योगदान दिया। अस्तिव एनर्जी के हृदेश द्विवेदी ने छह विकेट झटके। सौरभ राजपूत, विक्रांत कोरी, आलोक तिवारी व आयुष कुशवाह ने एक-एक विकेट लिए।

अमन ने स्वर्ण व दीपक कुकना ने जीता कांस्य

नई दिल्ली। अमन सहरावत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में किर्गिस्तान के अल्माज समानबेकोव को 57 भारवर्ग में हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिला दिया।अल्माज पिछली चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता रहे थे। उन्नीस साल के हरियाणा के झज्जर निवासी अमन ने अपने आदर्श रवि दहिया के प्रदर्शन को दोहराया है, जिन्होंने पिछली बार इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक दिलाया था। भारत लगातार चार साल से चैंपियनशिप में इस भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीत रहा है। इसके अलावा 79 भारवर्ग में दीपक कुकना ने भी कांस्य पदक कजाखस्तान के शुहराब बोजोरोव को तकनीकी दक्षता के आधार पर 12-1 से हराया। फाइनल मुकाबले में अमन ने अल्माज को 9-4 से पराजित किया। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में अभ्यास करने वाले सहरावत ने इससे पहले सेमीफाइनल में चीन के वानहाओ जोयू को 7-4 से और क्वार्टर फाइनल में जापान के रिकुतो अरई को 7-1 से मात दी थी। अमन का यह इस साल दूसरा पदक है। फरवरी में उन्होंने जगारेब ओपन में कांस्य पदक जीता था। पिछले साल उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। गुरुवार को जीते दो पदकों के साथ भारत के अब तक 13 पदक हो गए हैं। ग्रीको रोमन पहलवानों चार और महिला पहलवानों ने सात पदक दिलाए। अनुज कुमार 65 भारवर्ग, मुलायम 70 पदक दौर तक नहीं पहुंच सके।

अंतिम पंघाल ने जीता सिल्वर

नई दिल्ली। महिला पहलवान एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में फिर स्वर्ण पदक नहीं जीत पाई। 53 भार वर्ग में हरियाणा की अंतिम पंघाल ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन यहां उन्हें 2021 की विश्व चैंपियन अकारी फुजीनामी के हाथों 0-10 से हार का सामना कर रजत से संतोष करना पड़ा।भारतीय कुश्ती संघ के खिलाफ धरने पर बैठने के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय कंपटीशन खेल रहीं अंशु मलिक 57 किलोग्राम और सोनम मलिक 62 किलोग्राम भार वर्ग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन में अंतिम ने शानदार शुरुआत की। लेकिन फाइनल मुकाबले में अंतिम रंग में नहीं दिखीं। फुजीनामी ने उन्हें तकनीकि दक्षता के आधार पर आसानी से हरा दिया। अंशु ने पहली बाउट में सिंगापुर की डेनियल चिंग लिन को 11-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने चीन की क्वी झांग पर 5-4 से संघर्षपूर्ण जीत पाई। सेमीफाइनल में उन्हें अंडर-23 विश्व चैंपियन जापान की साए नांजो ने 1-5 से पराजित किया। इस बाउट में अंशु को चोट भी आई, लेकिन कांस्य पदक के मुकाबले में उन्होंने मंगोलिया की एरडेनेसुव्ड बाट एरडेन को तकनीकि दक्षता पर 10-0 से हराया। सोनम ने कांस्य पदक के मुकाबले में चीन की जियाओजुआन लुओ को 5-1 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सोनम को मंगोलिया की ओरखान ने 1-7 से हराया था।

अल्बर्ट बने फर्राटा चैंपियन

भोपाल। एलएनसीटी कॉलेज रायसेन रोड भोपाल में आयोजित की जा रही 6वीं इंजीनियर ओलंपिक खेल प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स पुरुष वर्ग में 100 मीटर दौड़ में 11.23 सेकंड के साथ अल्बर्ट एन रेजे ने प्रथम एवं आर्यन नायक ने 11.69 सेकंड के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में भी 24.68 सेकंड के साथ अल्बर्ट एन रेजे ने प्रथम एवं आर्यन नायक ने 26.62 सेकंड के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में आर्यन नायक ने 51.045 सेकंड के साथ प्रथम एवं रितिक 53.463 सेकंड के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शॉट पुट में शिवम मिश्रा 12.10 मीटर के साथ प्रथम एवं संस्कार सेंगर 11.38 मीटर के साथ द्वितीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो में शिवम मिश्रा 28.80 मीटर के साथ प्रथम एवं तनय शिवहरे ने 19.30 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जैवलिन थ्रो में सूजय 32.85 मीटर के साथ प्रथम एवं अरविंद 27.60 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़ में हिमांशी 12.55 सेकेंड के साथ प्रथम एवं वंशिका 13.06 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में वंशिका 28.35 सेकेंड के साथ प्रथम एवं अपूर्वा 29.62 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। शॉट पुट में सोनिका जयसवाल 5.70 मीटर के साथ प्रथम एवं कृतिका प्रजापति 5.30 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रही। डिस्कस थ्रो में सोनिका जयसवाल 12.50 मीटर के साथ प्रथम, सौम्या सोनी 12.20 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रही। जैवलिन में भी में सोनिका जयसवाल 13.90 मीटर के साथ प्रथम, सौम्या सोनी 11.40 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रही।

टेबल टेनिस में अर्चिता दुबे विजेता

टेबल टेनिस महिला सिंगल्स फाइनल में बीपीईएस की अर्चिता दुबे ने एलएनसीटीएस की आरुषि पांडे को हराकर विजेता बनी। टेबल टेनिस पुरुष वर्ग के सिंगल फाइनल मुकाबले में ओरिएंटल के मिहिर ने एलएनसीटी के यश को हरा खिताब अपने नाम किया। शतरंज महिला वर्ग के मुकाबले में प्राची शर्मा प्रथम एवं खुशी गुप्ता द्वितीय स्थान पर रही। कैरम महिला वर्ग मुकाबले में पलक प्रथम एवं आरची द्वितीय स्थान पर रही।

भिंड के राजू भदौरिया ने घुड़सवारी में जीता गोल्ड

भिंड। भिंड के राजू भदौरिया ने फ्रांस में भारत को घुड़सवारी के मुकाबले में गोल्ड मेडल दिलाया है। ये प्रतियोगिता पैरिस के ग्रोसबोइस में आयोजित हुई थी। उन्होंने यह खेल 23 पेनल्टी के साथ जीता है। राजू मध्य प्रदेश के जिला भिंड के हरपालपुरा गांव के रहने वाले हैं। इससे पहले साल 2018 में राजू भदौरिया को मध्य प्रदेश सरकार ने एकलव्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया है। राजू ने इस साल फरवरी में आयोजित एशियन चैम्पियनशिप के क्वालीफायर इवेंट में अपना बढ़िया प्रदर्शन कर एशियन चैंपियनशिप गेम्स 2023 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

इस जीत के साथ ही ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्होने अपनी तैयारी पक्की कर ली है। परिजन ने बताया कि बचपन से ही राजू भदौरिया को घुड़सवारी का शौक था। साल 2018 में राजू भदौरिया को मध्यप्रदेश सरकार ने एकलव्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया है। राजू मध्य प्रदेश के जिला भिंड के हरपालपुरा गांव के रहने वाले हैं। उनके चाचा ने खेल की इस विधा में पदार्पण कराया और वो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। इतनी कम उम्र में इतने बड़े अचीवमेंट से देश को घुड़सवारी के खेल में भी ओलंपिक पदक की आस जगी है। फ्रांस की राजधानी पैरिस के ग्रोसबोइस में घुड़सवारी चैंपियनशिप आयोजित हुई थी।

फ्रांस में घुड़सवारी में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय

फ्रांस की राजधानी पैरिस के ग्रोसबोइस में घुड़सवारी चैंपियनशिप आयोजित हुई थी। इस चैंपियनशिप में भिंड के राजू भदौरिया ने फ्रांस में भारत को घुड़सवारी में गोल्ड मेडल दिलाया है। उन्होंने यह खेल 23 पेनल्टी के साथ जीता है। राजू भदौरिया गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री चौहान व कमलनाथ ने दी बधाई

गोल्ड मेडल दिलाने वाले राजू को खुद प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान और पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी ट्वीट कर बधाई दी है।

चैंपियन्स लीग: मैड्रिड ने चेल्सी पर बनाई बढ़त

क्वार्टरफाइनल का पहला चरण: करीम बेंजेमा और मार्को आर्सेंसियो ने दागे गोल

नई दिल्ली। रियाल मैड्रिड ने करीम बेंजेमा और मार्को आर्सेंसियो के गोलों की मदद से चेल्सी के खिलाफ चैंपियन्स लीग क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में 2-0 की बढ़त बना ली। रियाल मैड्रिड ने लयविहीन नजर आई चेल्सी के खिलाफ एकतरफा वर्चस्व का प्रदर्शन किया, हालांकि वह टाई को विपक्षी टीम की पहुंच से दूर न कर पाने के कारण थोड़ी निराश होगी।

रियाल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने इस मैच के लिये पिछले हफ्ते कोपा डेल रे में एफसी बार्सिलोना को 4-0 से हराने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया, जबकि फ्रैंक लंपार्ड ने एंगोलो कांटे, एंजो फर्नांडिस और मैटियो कोवाकिच की मिडफील्ड तिकड़ी के साथ तीन-तीन सेंट्रल डिफेंडर और विंगबैक की टीम मैदान पर उतारी। दोनों टीमों ने मुकाबले की आक्रामक शुरूआत की। रेफरी ने सख्ती बरतते हुए चेल्सी के वेस्ली फोफाना और मैड्रिड के एडुआडरे कमाविंगा को येलो कार्ड दिखाए, जिसके बाद मैड्रिड ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। केपा ने 12वें मिनट में विनीशियस जूनियर का गोल रोका और उनका पहला हाफ व्यस्तता में गुजरा। विनीशियस ने 21वें मिनट में भी डैनी करवाजल के एक पास को गोल की ओर दागा लेकिन केपा ने उन्हें स्कोर नहीं करने दिया।

चेल्सी के गोलकीपर हालांकि गोल के करीब से बेंजेमा के गोल को नहीं रोक सके। दूसरे छोर पर रहीम स्टर्लिंग ने चेल्सी के लिये रात का सर्वश्रेष्ठ मौका बनाया, लेकिन थिबौत कोटरेइस ने दर्शनीय रक्षण का प्रदर्शन करते हुए चेल्सी को खाता नहीं खोलने दिया। मैच के 60वें मिनट में गोल के लिये जा रहे रोड्रिगो के साथ टक्कर होने के बाद बेन चिलवेल को बाहर भेज दिया गया। चेल्सी का रक्षण कमजोर होने के बाद

प्रतिस्थापन खिलाड़ी मार्को असेंसियो ने कॉर्नर को गोल में तब्दील करके मैड्रिड की बढ़त 2-0 कर दी। मैड्रिड तीसरा गोल स्कोर करने के करीब थी लेकिन टीम मुकाबले के आखिरी मिनटों में शांत हो गई। उनका आखिरी मौका बेंजेमा के हेडर के रूप में आया लेकिन वह प्रयास भी बार के ऊपर से निकल गया।

ला लीगा: बार्सिलोना ने घर पर खेला ड्रा

नई दिल्ली। बार्सिलोना का खराब प्रदर्शन जारी है। टीम अपने घर में स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा की अंक तालिका में 11वें नंबर पर मौजूद गिरोना के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर पाया और मुकाबला 0-0 से ड्रॉ खेलना पड़ा। इससे पहले टीम कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में रियल मैड्रिड से 0-4 से हार गई थी। इस सत्र के ला लीगा में बार्सिलोना अपने घर में 14 मैचों से हारा नहीं है। यह तीसरी बार है जब बार्सिलोना ने घर में अंक गंवाए हैं। इस ड्रॉ मुकाबले से दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। बार्सिलोना अंक तालिका में 72 अंक लेकर शीर्ष पर विराजमान है। वहीं, दूसरे स्थान पर 59 अंकों के साथ रीयल मैड्रिड है। इसके अलावा एटलेटिको मैड्रिड 57 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। गिरोना के 28 मैचों में 35 अंक हैं। बार्सिलोना के स्ट्राइकर गिरोना के डिफेंस को भेद नहीं पाए और एक गोल करने के लिए भी जूझते रहे। बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की को शुरुआती गोल करने का अच्छा मौका मिला, लेकिन वह चौथे मिनट में गोल नहीं दाग पाए। उनकी किक से निकली गेंद गोल पोस्ट के ऊपर से चली गई। फुलहम से गिरोना की टीम में आए गोलकीपर पाउलो गाजानिगा ने मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में शानदार बचाव किए जिसमें एक डैनी राफिन्हा के गोल के प्रयास को विफल करना भी शामिल है। वहीं, दूसरे हाफ में गिरोना के टैटी कैस्टेलानोस के पास भी गोल करने का सर्वश्रेष्ठ मौका आया था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।

कार्यक्षेत्र में ये चीजें बढ़ा सकती हैं

आपका अनुभव

वर्तमान युग में अत्यधिक व्यक्ति बिजनेस और टैलेंट की अपेक्षा नौकरी को ही प्राथमिकता देते है। आज की भाग-दौड़ भरी और प्रतिस्पर्धा से परिपूर्ण लाइफ में हर व्यक्ति स्वयं को सदैव सबसे आगे और अलग देखना चाहता है। और इन सबके लिए आपका टैलेंट और अनुभव ही काफी नहीं होता है। इनके अलावा भी कुछ ऐसी स्किल्स आपमें होना चाहिए जिससे आप सफल हो सके। तो आइये जानिए, ऐसी ही कुछ स्किल्स के बारे में...

विनम्र व्यव्हार-अपने सामने वाले व्यक्ति का व्यवहार हर एक व्यक्ति के मन को भाता है। इसलिए आपको ऐस व्यवहार अपनाना चाहिए जिससे आप बॉस ओर अपने सहकर्मियों के दिलो में अपनी खास पहचान बना सके। आपको अपने ऑफिस के निम्न से लेकर उच्च कर्मचारियों से समान व्यव्हार अपनाना चाहिए। अगर ऑफिस में साफ-सुथरी छवि चाहते हो, तो मुश्किल घड़ी में भी आपको विनम्र व्यवहार अपनाना आना चाहिए।

सहकर्मियों को स्वयं की बात पर राजी करवाना कार्य क्षेत्र में खुद

को अलग और सबसे आगे देखना चाहते है तो आपको दूसरो से अपनी बात मनवाना आना चाहिए। आपके अंदर इस प्रकार की क्वालिटी का होना आवश्यक है। अगर आपमें यह क्वालिटी है, तो आप बहुत जल्दी अपने कार्य क्षेत्र में प्रमोशन पा सकते है।

ग्रेट सेंस ऑफ ह्यूमर- ऑफिस के तनाव और चिड़चिड़ेपन को दूर करने का सबसे अच्छा माध्यम है हंसना और हंसाना अगर आपके अंदर भी इस प्रकार की कोई कला है। तो लोग इससे आपकी ओर जल्दी से आकर्षित होंगे। और यह आपकी नौकरी के लिए भी अच्छा संकेत होगा। ●

आपके जीवन में उत्साह भर देंगे

चार्ली के ये विचार

चार्ली चैपलिन, इतिहास का एक ऐसा नाम जिसे दुनिया से मिटाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। अगर उन्हें विश्व सिनेमा का सबसे बड़ा कॉमेडियन कहा जाएं, तो इसमें कोई दो राय नहीं है। अपने जीवन में उन्होंने जो मुकाम पाया हैं, उसे हासिल करने मे उन्हें कई समस्याओं और संघर्ष का सामना करना पड़ा है, तब जाकर उनका नाम इतिहास के सुनहरे पन्नो में दर्ज है। आज हम आपको चार्ली चैपलिन के कुछ विचारों के बारे में बता रहे है, जिन्हें अपनाकर आप भी बुरे समय में खुद को आगे बढ़ा सकते है।

चार्ली चैपलिन के कुछ प्रेरणादायी विचार...

- दर्पण मेरा सबसे अच्छा मित्र हैं, क्योंकि जब मैं रोता हूं। तब वह हंसता नहीं है।
- इस जहां में कुछ भी स्थाई नहीं हैं, हमारी मुश्किलें भी नहीं।
- मुझे हमेशा बारिश मैं घूमना पसंद है, ताकि मुझे रोते हुए कोई देख न सकें।
- हमारा वह दिन बर्बादी के समान है, जिस दिन हम हंसे न हो।
- जब आप केवल अपने चेहरे पर हंसी को स्थान देंगे, तो आप पाएंगे कि ये जीवन अभी भी मूल्यवान है।
- मेरा दर्द किसी के हंसने का कारण हो सकता हैं, मगर मेरी हंसी कभी किसी के दर्द का कारण नहीं होनी चाहिए.
- कार्य को अंजाम दिए बिना कल्पना करना बेकार है.
- मैं यह समझता हूँ कि उचित समय पर अनुचित कार्य करना कई परेशानियों को निमंत्रण देने के समान है.
- जरूरतमंद मित्र की मदद करना आसान हैं, लेकिन उसे हमेशा अपना समय देना असंभव हो जाता है.
- आप कभी भी एक इंद्रधनुष नही तलाश पाएंगे, अगर आप नीचे देख रहे हैं ●

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग बनकर जिन्दगी को दें नई उड़ान

अगर आपका दिल भी बचपन में आसमान में उड़ते प्लेन को देखकर मचलता था और आप उसके पीछे भागते थे, तो शायद बड़े होने के बाद आप इसके बारे में और बेहतर तरीके से जनाना की कोशिश कर रहे हों। अगर ऐसा है तो एयरोनॉटिक इंजीनियरिंग का फिल्ड आपके लिए ही है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र इंजीनियरिंग का सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। इसमें करियर निर्माण की बेहतर संभावनाएं हैं। इसके तहत नागरिक उड्डयन, स्पेस रिसर्च, डिफेंस टेक्नोलॉजी आदि के क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास किया जाता हैं। यह क्षेत्र डिजाइनिंग, निर्माण, विकास, परीक्षण, ऑपरेशंस तथा कमर्शियल व मिलिट्री एयरक्राफ्ट के पुर्जो के साथ-साथ अंतरिक्ष यानों, उपग्रहों और मिसाइलों के विकास से भी संबंधित है।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में एयरक्राफ्ट को ऑपरेट करने की टेक्निक्स और फ्लाइट-केपेबल मशीन्स की स्टडी, डिजाइन और मेंटेनेंस से जुड़े सभी कार्य शामिल होते हैं। इस कोर्स के तहत इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और यंग प्रोफेशनल्स को कमर्शियल या मिलिट्री एयरक्राफ्ट्स, मिसाइल्स और स्पेसक्राफ्ट्स के कंस्ट्रक्शन, डिजाइनिंग, टेस्टिंग और एनालिसिस की विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। एयरोनॉटिक इंजीनियरिंग में प्रोपल्शन, मेटीरियल्स साइंस, एवियोनिक्स और एरोडायनामिक्स को भी शामिल किया जाता है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया एंड कोर्स

एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग करने के लिए अभ्यर्थी की पकड़ फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स पर बहुत मजबूत होनी चाहिए। साथ ही इस कोर्स के लिए आवेदन करने हेतु फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स विषय के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। भारत में मुख्य रूप से 4 प्रकार के एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स हैं।

जिसमें कक्षा 10 वीं और कक्षा 12 वीं के बाद क्रमशः 3 साल की अवधि वाला डिप्लोमा पाठ्यक्रम 12 वीं कक्षा के बाद 4 साल की अवधि वाला एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीई व बीटेक और एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद 4 साल की अवधि वाले पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रम एमई व एमटेक शामिल है। एमई के पूरा होने के बाद 2 साल की अवधि वाले पीएचडी डॉक्टरेट डिग्री कोर्स भी कर सकते हैं।

करियर के अवसर

एयरोनॉटिकल इंजीनियर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और रक्षा मंत्रालय में आसानी से नौकरियां पा सकते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स करने के बाद कोई भी राष्ट्रीय एयरोनॉटिकल प्रयोगशाला, नागरिक उड्डयन विभाग, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ आकर्षक वेतन पैकेज के साथ काम कर सकता हैं। इसके अलावा एयरोस्पेस इंजीनियरों को संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, यूके और जर्मनी जैसे देशों में भी नौकरियां मिल सकती हैं। एयरोस्पेस इंजीनियरों की प्रतिष्ठित शोध केंद्रों जैसे नासा और एयरबस जैसे निजी कंपनियों में बहुत अधिक मांग है।

जरूरी स्किल्स

एयरोनॉटिकल इंजीनियर बनने के लिए उम्मीदवार के पास व्यापक दृष्टिकोण होना नितांत आवश्यक है। उसके पास गणितीय शुद्धता और डिजाइन कौशल, कम्प्यूटर दक्षता और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए। उम्मीदवार में योजना बनाने तथा दबाव में काम करने में निपुण होने के साथ मैनुअल, टेक्नीकल और मेकेनिकल एप्टीट्यूड, नार्मल कलर विजन, फिजिकल फिटनेस, स्पेसक्राफ्ट और एयरक्राफ्ट उपकरण के लिए जुनून होना चाहिए। ●

14 जून तक आधार कार्ड डिटेल्स ऑनलाइन करें अपडेट

आधार कार्ड में 12 अंकों की पहचान संख्या जो भारत में सभी रेजिडेंट के लिए जरुरी है, जिसे अगले तीन महीनों के लिए फ्री में ऑनलाइन अपडेट किया जा सकता है, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने हाल ही में अनाउंसमेंट करते हुए बताया है। आधार दस्तावेजों को ऑनलाइन अपडेट करने की प्रक्रिया की लागत आधार केंद्रों पर 50 रुपये है। उपयोगकर्ता के जनसांख्यिकीय विवरण को फिर से वेरीफीई करने के लिए पहचान का प्रमाण और पते का प्रमाण दस्तावेज अपलोड करना शामिल है, खासकर अगर उनका आधार कार्ड जारी किया गया हो। यह ध्यान देने वाली बात है कि यूआईडीएआई का कहना है कि जनसांख्यिकीय विवरण को ऑनलाइन अपडेट करने से बेहतर सर्विस और सर्टिफिकेशन सफलता दर में वृद्धि में मदद मिलेगी, जनसांख्यिकीय विवरण को अपडेट करने की प्रक्रिया जरुरी नहीं है। आधार डिटेल्स को ऑनलाइन अपडेट करना एक सीधा प्रोसेस है जिसे कुछ ही मिनटों में पूरा किया जा सकता है। उपयोगकर्ताओं को जनसांख्यिकीय जानकारी के आधार पर मूल पीओआई और पीओए दस्तावेजों की स्कैन की गई कापी की जरुरत होगी जिन्हें अपडेट करने की जरुरत है। इन बदलाव को करते समय पैसे खर्च करने पड़ेते हैं। जिसकी कीमत 50 रुपये है। UIDAI के मुताबिक भौतिक केंद्रों पर, यह 14 जून तक बिना किसी लागत के किया जा सकता है। आप 14 जून से पहले अपने आधार कार्ड के डिटेल्स को ऑनलाइन अपडेट करने के लिए नीचे दिए गए गाइड का पालन कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं।

ऐसे करें अपडेट

-सबसे पहले आप यूआईडीएआई की वेबसाइट पर आधार सेल्फ सर्विस पोर्टल पर जाएं ।

- अब अपना आधार नंबर और उसके बाद एक ओटीपी दर्ज करके पोर्टल पर लॉग ऑन करें।
- दस्तावेज अपडेट पर क्लिक करें और मौजूदा डिटेल्स की जांच करते हुए वेरीफाई करें।

-ड्रॉप-डाउन लिस्ट का उपयोग करके, सेलेक्ट करें और फिर वेरीफाई के लिए मूल दस्तावेजों की स्कैन की हुई कॉपी अपलोड करें।

- अपने डिटेल्स को अपडेट करने की प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए सेवा अनुरोध संख्या नोट करें। ●

इंटरव्यू से पहले आप भी अपनाएं ये खास तरीका

दिन पर दिन बढ़ रही प्रतिस्पर्धा से लोगो को लगता हैं की जॉब पाना काफी मुश्किल हैं। पर ऐसा बिलकुल नहीं हैं कुछ आसान तरीके अपना कर आप बेहतर जॉब पा सकते हैं।

-आप कहीं भी इंटरव्यू के लिए जाये आपको इंटरव्यू लेने वाले के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इंटरव्यू लेने वाले का नाम, वह क्या करता हैं, यह सब आपको पता होना चाहिए।

-दूसरे से अपनी प्रोफाइल के बारे में बात करने से बचे। फेसबुक, लिंकडिन का प्रयोग भी सोच समझ कर करे।

-कुछ लोग नेटवर्किंग को गलत समझने हैं। अपना लक्ष्य तय कर लोगों से बात करके अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को सुधारे। किसी भी प्रकार की जॉब के लिए नेटवर्किंग बेहद जरूरी होता हैं।

-सवालों का सीधा जवाब दे, किसी भी तरह का घुमावदार जवाब आपके लिए प्रॉब्लम खड़ी कर सकता हैं। आपसे यदि आपकी कमजोरियों के बारे में पूछा जाये तो अपनी कमजोरियां बताये।

-अगर आप अपना रिज्यूमे बना रहे है तो अन्य लोगों की तरह सेम फॉर्मेट में न बनाये। कुछ थोड़ी अलग बाते भी आप उसमे जोड़े जो अट्रेक्टिव रहे। ●

ऐसे होती है आईपीएल में ग्लैमर का तड़का लगाने वाली चीयरलीडर्स का चयन

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल का 16वां संस्करण जारी है। इसका उत्साह दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इस बार के आईपीएल में एक बार फिर से ग्लैमर का तड़का लगाने चीयरलीडर्स मैदान में लौट चुकी हैं। कोरोना महामारी के चलते चीयरलीडर्स को हटा दिया गया था। आईपीएल में ज्यादार चीयरलीडर्स विदेशी हैं। हालांकि कुछ चेहरे भारतीय भी नजर आ रहे हैं। कई लोगों के दिमाग में यह सवाल उठा होगा कि चीयरलीडर्स को कितने पैसे मिलते हैं। आज हम लोग चीयरलीडर्स की कमाई और सैलरी के बारे में ही बात करेंगे। बता दें कि IPL 2023 Opening Ceremony में बाहुबली फेम तमन्ना भाटिया ने भी परफॉर्म किया था। **चीयरलीडर्स की सैलरी**

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीयरलीडर्स को पैसे प्रति मैच के हिसाब से मिलते हैं. उन्हें प्रति मैच 14000 से 17 हजार रुपये मिलते हैं। यह आईपीएल की टीम के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकता है। क्रिकफैक्ट्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल जैसी टीमें अपने चीयरलीडर्स को प्रति मैच 12,000 रुपये से अधिक देती हैं। जबकि मुंबई इंडियंस और आरसीबी जैसी टीमें उन्हें लगभग 20,000 का भुगतान करती हैं। सबसे अधिक पैसे केकेआर की चीयरलीडर्स को मिलते हैं। जो लगभग 24,000 रुपये है। इसके अलावा अच्छी परफॉर्मेंस पर या टीम के जीतने पर बोनस भी मिलता है। सैलरी के अलावा चीयरलीडर्स को रहने और खाना लग्जरी इंतजाम भी होता है।

ऐसे होता है चीयरलीडर्स का सेलेक्शन

चीयरलीडर्स की जॉब पाना एक टफ प्रोसेस है। इसके लिए इंटरव्यू और लिखित परीक्षा से होकर गुजरना पड़ता है। एक चीयरलीडर को डांस, मॉडलिंग और भीड़ के सामने परफॉर्म करने का अनुभव होना चाहिए। ●

GENERAL KNOWLEDGE

-**मगध** के उत्थान के लिए निम्न मे से कौन सा शासक उत्तरदायी है?
उत्तर- बिंबिसार
-भारत में प्रोफेशनल 20-20 क्रिकेट लीग को क्या कहते है?
उत्तर-आई.पी.एल
-सचिन तेंदुलकर को हाल ही में किस खिताब से नवाजा गया था?
उत्तर-पद्म विभूषण
ISRO के हेड्क्वॉर्टर्स कहा है?
उत्तर- बैंगलोर
-संसद में कौन से 2 हाउसेस है?
उत्तर-लोक सभा और राज्य सभा
-भारत का सबसे छोटा राज्य कौन सा है?
उत्तर-गोवा
-रामायण के लेखक कौन थे?
उत्तर-वाल्मीकि
-भारत में ब्लू सिटी के नाम से किस शहर को जाना जाता है?
उत्तर-जोधपुर
-भारत में कौन सी नोट इशू सिस्टम फॉलो की जाती है?
उत्तर- मिनिमम रिज़र्व सिस्टम
-खट्टे फलों में कौन सा एसिड होता है?
उत्तर-साइट्रिक एसिड
-भारत में प्रधानमंत्री के औहदे को क्या माना जाता है?
उत्तर- कार्यकारी प्रमुख
ताजमहल, बीबी का मकबरा, एतमाद उद दौला किस चीज के स्मारक है?
उत्तर- मृत व्यक्ति के
-सम्राट अशोक किसका उत्तराधिकारी था?
उत्तर- बिंदुसार
-भारतीय संविधान को पहली बार कब संशोधित किया गया?
उत्तर-1950
-रौलेट एक्ट को किस वर्ष लागू किया गया था?
उत्तर-1919
-महाराणा प्रताप 'बुलबुल' किसे कहते थे?
उत्तर-अपने घोड़े को
बॉक्सर इवांडर होलीफील्ड को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर- द रियल डील
-सिंधु घाटी सभ्यता का बन्दरगाह कहां पर था?
उत्तर-लोथल
-जैन धर्म में महावीर को क्या माना जाता है?
उत्तर-वास्तविक संस्थापक ●

संकट मोचन शताब्दी वर्ष संगीत समारोह -2023 चौथी निशा प्रभु दरबार में बह निकली गायन-वादन और नृत्य की त्रिवेणी

(सन्तोष कुमार सिंह)

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संकट मोचन मंदिर का मुक्त प्रांगण, मुक्ता काशी मंच, मुक्त श्रोतागण, मुक्त रूप से कला साधकों की हाजिरी, शायद ही विश्व का कोई सांगीतिक मंच एसा हो जहां हाजिरी लगाने वाले कलासाधक, संगीत रसिक जनों का एक ही वक्तव्य होता है धन्य हो गये हमलोग सही मायने में यह एक अद्भुत है जब रात्रिव्यापी संगीत समारोह को कलाकार से लेकर श्रोता सुनते नहीं बल्कि जीते हैं` आज चौथी निशा की शुरूआती क्षणों को देखर ऐसा लगा कि यह समारोह नहीं बल्कि एक महायज्ञ है। जहां कलासाधकों के स्वर मंत्रों के हर अध्याय में वाह-आह की आहूति दी जाती है` सप्त दिवसीय संगीत समारोह की चौथी निशा का पहला पुष्प खिला भरतनाट्यम के माध्यम से कलाकार थी दिल्ली से पधारी श्रीमती रमा वैद्यनाथन इन्होंने श्री राम वंदना से नृत्य की शुरूआत कर, कई

अध्यायों का नृत्य के माध्यम से वर्णना कर प्रस्तुति को विराम दिया इनको साथ सहयोगी कलावृन्द ने अच्छी भागीदारी निभायी` रमा वैद्यनाथन की प्रस्तुति को लोगों ने काफी सराहा। अगली प्रस्तुति में न्यूयार्क से पधारे ठाकुर चक्रपाणि सिंह ने कच्छपी वीणा वादन किया इन्होंने राग किरवानी में आलाप, जोड, झाला के पश्चात तीन ताल में विलम्बित व द्रुत गतकारी अपने वदन को विराम दिया इनके साथ तबले पर पं. समर साहा ने विद्वतापूर्ण संगत कर, वादन को प्रभावशाली बना दिया` गायन के क्रम में मुंबई से पधारे पं. अजय पोहनकर ने गायन के माध्यम से श्रोताओं को रससिक्त कर दिया इन्होंने राग दरबारी कन्हाडा में सर्वप्रथम एक ताल व तीन ताल में बंदिशें गाने के पश्चात भजन, ठुमरी से गायन को विराम दिया इनके साथ तबले पर श्री यशवंत वैष्णव व संवादिनी पर श्रीमती पारोमिता मुखर्जी ने गायन के अनुरूप भागीदारी कर गायन को एक ऊंचाई प्रदान कर दिया चौथी निशा की अगली प्रस्तुति में उस्ताद शाहिद परवेज के शिष्यपुत्र शाकिर खां ने सितार वादन कर श्रोताओं को आनंदित कर दिया` सितार में तैयारी के साथ ही स्वर की पकड ने प्रस्तुति को और यादगार बना दिया इन्होंने राग मालकौंस में तीन ताल में गतकारी कर जब वादन को विराम दिया श्रोता आंदोलित हो उठे इनके साथ यशवंत वैष्णव ने अपनी पहचान के अनरूप संगत की इन्होंने अत्यंत प्रभावशाली संगत कर सितार वादन को पूर्ण विराम लगाया` अगली प्रस्तुति में विश्वविख्यात बांसुरी वादक पं. रोनू मजुमदार ने ऐसी बांसुरी की तान छेडी कि श्रोता सुध-बुध खो गये साथ में विख्यात तबला वादक पं. संजू सहाय ने लाजवाब संगत किया` पंडित जी ने राग बिहग में आलापचारी के पश्चात पहले धमार फिर तीन ताल में गतकारी कर वादन के प्रथम अध्याय को विराम दिया पं. रोनू मजूमदार ने लोगों की फरमाश पर कजरी और अंत में एक भाजन से अपने वादन को पूर्ण विराम दिया` पं. रोनू मजुमदार के साथ उनके शिष्य पुत्र श्री ऋषिकेश मजुमदार ने बांसुरी पर साथ देकर उज्वल भविष्य की आस जगायी` सांतवीं प्रस्तुति में पं. जसराज के शिष्य पं. नीरज पारिख ने अपने पत्नी के साथ गायन प्रस्तुत किया इन्होंने राग रामकली में में विलम्बित एक ताल, तीन ताल में गायन कर प्रथम अध्याय को विराम दिया इसके पश्चात राग ललित में बंदिश बाल समय रवि भक्ष लियो से गायन को विराम दिया इनके साथ तबले पर बद्रीनारायण पंडित व संवादिनी पर मोहित साहनी ने अच्छी भागीदारी निभायी`चौथी निशा की अंतिम प्रस्तुति में संतूर वादन किया कोलकाता के शुद्धशील चटर्जी ने इन्होंने राग विलासखानी तोडी में आलापचारी के पश्चात तीन ताल में गतकारी किया` इनका वादन श्रुति मधुर रहा इनके साथ तबले पर युवा कलाकार गौरव चक्रवर्ती ने कुशल संगत कर वादन को प्रभावशाली बनाया।

राष्ट्रीय समता पार्टी रासपा प्रदेश कार्यालय पर बाबा साहब की 132वीं जयंती पर किया गया श्रद्धा सुमन अर्पित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आज के ही दिन संविधान सभा के अध्यक्ष और निमार्ता बाबा साहब का जन्म हुआ था राष्ट्रीय समता पार्टी रासपा प्रदेश कार्यालय मुर्दहा में 14 अप्रैल शुक्रवार को बाबा साहब की 132 जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया मुख्य अतिथि रासपा संयोजक शशिप्रताप सिंह ने कहा कि बाबा साहब के द्वारा निर्मित संविधान और सिस्टम से ही देश आगे बढ़ रहा है संविधान को टीवी चैनलों पर और सभी पाठ्यक्रम में जोड़ना चाहिये जिससे देशवासियों को संविधान की जानकारी रहे जब तक देश के नागरिक को संविधान की जानकारी नही होगी तब तक देश अधुनिकता की रेस में आगे

नही निकल सकता है, 100 प्रतिशत लोग शिक्षित नही बन सकते है` शिक्षा की ही देन थी कि बाबा साहब संविधान निमार्ता बने और पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रथम प्रधानमंत्री बने` डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बने, डॉ0 रत्नप्पा भरमप्पा कुम्हार सह निमार्ता बने, रासपा देश के हर नागरिक को शिक्षित बनाने के मिसन को लेकर आगे चल रही है कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रामबचन यादव, संचालन प्रमुख महासचिव प्रेमनाथ सिंह ने किया प्रमुख रूप से प्रकाश जायसवाल, शशिप्रताप, जितेंद्र पटेल , राजू पटेल विजय सोनकर, बिनोद यादव, दिनेश पटेल, रवि सिंह पटेल, गुरु प्रसाद सिंह सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर उनके मूर्ति पर स्वच्छता अभियान करते हुए मूर्ति पर पुष्पार्चन कर मिष्ठान वितरण किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर में शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए दिशा निर्देश पर दिनाँक 14/04/2023 दिन शुक्रवार सुबह 9 बजे नई बस्ती गोलाघाट एवं भीटी में स्थित भारत रत्न सम्मानित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर उनके मूर्ति पर स्वच्छता अभियान करते हुए मूर्ति पर पुष्पार्चन कर मिष्ठान वितरण सामाजिक संस्थाओं द्वारा कराया गया।बाबा साहेब की जयंती को भाजपा मंडल ने बूथ स्तर पर किया इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा बाबा साहेब एक भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। उन्होंने दलितों के

आंदोलन को प्रेरित किया और दलितों के अधिकारों के लिए काम किया। वह हमेशा अछूतों और अन्य निचली जातियों की समानता के लिए खड़ा था। उन्होंने भारतीय संविधान को तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसलिए उन्हें 'भारतीय संविधान का पिता' कहा जाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह नंदलाल चौहान अभिषेक कुमार सिंह पटेल संजय सोनकर रवि सोनकर संजय बाल्मीकि मनोज यादव अर्जुन शर्मा विवेक दुबे धनंजय यादव विवेकानंद सिंह पटेल शिव कुमार राही महेश पटेल बीरेंद्र कुमार अजय कुमार अरुण कुमार दुर्गा साहनी आनंद शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जनपद में और जुड़ेंगे 26 निजी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर, शासन का निर्देश, गर्भवती महिला करा सकेंगी मुफ्त अल्ट्रासाउण्ड

प्रखर मिजार्पुर। गर्भवती महिलाओं के निशुल्क जांच व स्वास्थ्य को लेकर अब पीएमएसएमए योजना के तहत अब 26 निजी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर योजना से जुड़ेंगे। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने शुक्रवार को पत्र जारी करके दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों व प्रभारी चिकित्साधिकारियों समेत निजी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर के मालिकों को निर्देशित किया है कि सभी अपने केंद्रों को जल्द जोड़ लें अन्यथा कार्यवाही होगी। यह सुविधा अभी तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चुनार, मड़िहान व राजगढ़ में अल्ट्रासाउण्ड केंद्रों पर ही लागू थी लेकिन अब जिले में कहीं भी कोई अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर है तो उसको अभियान के तहत जोड़ा जाएगा। इन सेण्टरों पर गर्भवती महिलाओं का होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दौरान अल्ट्रासाउण्ड किया जायेगा। इससे उनके गर्भ में पहल रहे बच्चे के विषय में आसानी से जानकारी लिया जा सकेगा। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर वीरेन्द्र चौधरी ने बताया कि यह शासन स्तर से एक अनोखी पहल और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को देखते हुए निर्णय लिया गया है। अभी गर्भवती को डॉक्टर के लिखने पर अल्ट्रासाउण्ड कराने के लिए काफी धन करच करना पड़ता था लेकिन अब विभाग और शासन स्तर से पूरे प्रदेश में निशुल्क कर दिया गया है। वह कहीं भी अपना निशुल्क अल्ट्रासाउण्ड कराकर डॉक्टरों के परामर्श के बाद तत्काल उपचार शुरू कर सकेगी। कुछ महिलाएं साधारण परिवार में होने के करण अल्ट्रासाउण्ड नहीं करा पाती थीं। उनके यह किसी संजीवनी बूंटी से कम नहीं है इसलिए इसको विभाग की ओर से आयोजित होने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान व प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से जोड़ा जा रहा है। इन योजना से जुड़े महिलाओं को इसकी सुविधा उपलब्ध होगी।

रिहायसी कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी

प्रखर मिजार्पुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि होने के साथ स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। जिसका जीता जागता उदाहरण बुधवार दोपहर 1:00 बजे प्राप्त जानकारी के अनुसार विंध्याचल शिवपुर बड़े बगीचा क्षेत्र के रिहायसी बंधवा पुरम कॉलोनी में दिनदहाड़े दोपहर लगभग 1:00 बजे किराए के मकान में रहने वाली शिक्षिका वाराणसी निवासिनी प्रज्ञा श्रीवास्तव के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़िता प्रज्ञा श्रीवास्तव की माने तो सुबह 8:30 बजे विद्यालय जाने के बाद जब दोपहर घर को वापस आई तो घर के गेट का ताला तोड़ घर में रखा टीवी,सामान समेत आभूषण गायब मिला। जिसकी कीमत एक लाख के आसपास है। पीड़िता ने घटना को देख आसपास के लोगों में शोर मचाया। स्थानी पुलिस की माने तो मामले की जांच कर प्रारंभिक कार्यवाही की जा रही है।

अब महीने में चार दिन मनाया जाएगा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस

प्रखर कुशीनगर। अब हर माह में चार दिन प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया जाएगा इस सम्बंध में शासन स्तर से प्राप्त दिशा निर्देश के बारे में सम्बंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। पहले हर माह नौ और 24 तारीख को यह दिवस मनाया जाता था, जिसका विस्तार करते हुए अब एक और 16 तारीख को भी इसका आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक गर्भवती की समुचित प्रसव पूर्व जांच करना है ताकि उच्च जोखिम वाली गर्भवती की पहचान की जा सके।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने बताया कि पहले हर माह की नौ तारीख को जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 24 तारीख को हर प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) केन्द्र पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस संचालित कर गर्भवती की स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सेवाएं दी जाती थीं। अब हर माह की पहली, नौ, सोलह और 24 तारीख को उक्त दिवस आयोजित किया जाएगा।

मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला परामर्शदाता डॉ.रितेश तिवारी ने बताया कि शासन की नई गाइड लाइन के मुताबिक राजकीय अस्पतालों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन कर गर्भवती को कम से एक बार विशेषज्ञ अथवा एमबीबीएस चिकित्सक की देखरेख में प्रसव पूर्व गुणावत्तापरक जांच और उपचार से आच्छादित किया जाएगा।

3074 गर्भवती ने करायी जांच- डॉ. तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर फरवरी 2023 से 13 अप्रैल तक कुल 3074 गर्भवती का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सेवाएं दी गयी हैं। विभाग स्वास्थ्य मातृ शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए पीएमएसएमए दिवस पर गर्भवती की जांच कर आवश्यक सेवाएं देने का प्रावधान है।

बाबा साहब इतिहास बनाने वाले सर्वकालिक इतिहास पुरुष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। खुद इतिहास बनाते हैं वह इतिहास में अमर हो जाते हैं ऐसा ही एक नाम है डॉ भीमराव अंबेडकर साहब का जिन्होंने अपने गुण कर्म स्वभाव और असाधारण योग्यता के बल पर समाज के दबे कुचले तबके को ही ऊपर उठने का मौका नहीं दिलाया बल्कि हिंदुस्तान की जम्हूरियत को एक ऐसा आईन देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया जिस पर चलते हिंदुस्तान के लोकतंत्र ने देश को आज इस मुकाम तक पहुंचाया जिस पर हर भारतीय को गर्व है दुर्भाग्य है कि वर्तमान सत्ता बाबा साहब के उन महान सपनों को मलिन करने पर तुली हुई दिखती है जिसका जवाब समय के साथ देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को देने के लिए तत्पर होना चाहिए कदाचित बाबा साहब के प्रति यही सच्ची श्रध्दान्जलि होगी उक्त विचार शुक्रवार को इंग्लिशिया लाइन स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन के कार्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के

जन्मदिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी में व्यक्त किया गया विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ नेता पंडित विजय शंकर पांडेय ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का योगदान देश समाज और विशेष करके दबे कुचले हुए समाज को ऊपर उठाने के लिए इतना उल्लेखनीय है जिसको इतिहास से पन्नों से कभी मिटाया नहीं जा सकेगा उनके महत्तम योगदान के लिए भारत के प्रत्येक नागरिक को उनका कृतज्ञ होना चाहिए उनके सहयोग से बने भारत के संविधान में सभी नागरिकों को समान अवसर देने, जीने, बोलने, लिखने, पढ़ने की मुकम्मल आजादी मानवाधिकार के अंतर्गत प्राप्त है दुर्भाग्य है कि आज की सत्ता अपने अहंकार और गलत नीतियों के चलते बाबा साहब के द्वारा स्थापित मूल्यों और सिद्धांतों से बने हुए भारतीय समाज को बिखेर देने पर आमादा है जिसके लिए हम सभी नागरिकों को एकजुट होकर के भारतीय संविधान , बाबा साहब की मान्यताओं और महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित जियो और जीने दो के महान मूल्यों को बचाने के लिए करते रहना चाहिए इस संघर्ष में समाज का हर तबका सहयोग प्रदान करे यही आज के दिन बाबा साहब के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी विचार गोष्ठी का संचालन फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ सिंह और धन्यवाद ज्ञापन पुनीत मिश्रा ने किया विचार गोष्ठी में प्रमुख रूप से राधेश्याम सिंह डॉक्टर प्रेम शंकर पांडेय ,भूपेंद्र प्रताप सिंह, विजय कृष्ण राय अन्नू , आनंद मिश्रा , ब्रह्म देव मिश्रा, पंकज मिश्रा, महेंद्र चौहान, अशोक कुमार पाण्डेय, निशांत ओझा, राजेंद्र प्रसाद सिंह, संजय तिवारी , कमलाकांत पांडेय , मोहम्मद अरशद, युवराज पाण्डेय,पिंटू शेख आदि लोगों ने विचार प्रकट किया प्रारंभ में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनका श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

मुल्क में अमन चैन के लिए रोजेदारों ने उठाये हाथ, उसरहटा में इफ्तार पार्टी का हुआ आयोजन

प्रखर खेतासराय जौनपुर। शाहगंज ब्लॉक के उसरहटा में स्तिथ किंग पैलेस में ग्राम प्रधान सय्यद नदीम और सपा नेता सय्यद उरूज ने रोजा इफ़्तार का आयोजन किया । जिसमें रोजेदारों समेत अन्य धर्म से जुड़े लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा । इस मौके पर मौजूद धर्मगुरुओं ने देश मे अमन चैन के लिए दुआएं मांगी । क्षेत्र में मुस्लिम बंधुओं द्वारा इफ्तार पार्टी के आयोजन का सिलसिला जारी है । यहाँ आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिज्ञ, समाजसेवी समेत अन्य दिग्गजों ने हिस्सा लिया । इफ़्तार के पश्चात मगरिब की नमाज मौलाना राफे ने अदा कराई । इस मौके पर पमुख रूप से पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव उर्फ ललई यादव, पूर्व विधायक अरशद खान, पूर्व चेयरमैन वसीम अहमद, मो असलम खान, अब्दुल्लाह तिवारी, पत्रकार यूसुफ खान, राहिल अब्दुल्लाह, अफसर बेग, पूर्व प्रधान मो साकिब खान, डॉ मोहसिन खान, चिकित्सा प्रभारी डॉ रमेश चंद्रा, प्रधान भीम यादव, सुरेंद्र यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत मे सपा नेता सय्यद उरूज ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट मंत्री से मिले राष्ट्रीय सचिव बताया राशन डीलरों की समस्या

प्रखर लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री माननीय ए के शर्मा जी से उनके आवास कालीदास मार्ग पर मुलाकात करते हुए राष्ट्रीय सचिव/ प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के राशन डीलरो की समस्या को अवगत कराया तथा नवम्बर से मार्च तक कमीशन के भुगतान के प्रमुख सचिव को पत्र जारी करवाया गया। कमीशन बढ़ोतरी के लिए विस्तृत बातचीत किया गया। जल्द इस पर उनके साथ मुख्यमंत्री जी के आवास पर वार्ता होगी। साथ में लक्ष्मी पाण्डेय जिला उपाध्यक्ष वाराणसी हरिशंकर वाराणसी उपस्थित थे।

जेएमटी ई रिक्शा शोरूम का हुआ भव्य उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। तेलिया बाग स्थित संस्कृत यूनिवर्सिटी के सामने राजश्री ऑटो सेल्स के शोरूम का उद्घाटन सतीश महाना के कर कमलों से हुआ। ऑटो सेल्स के प्रबंध निदेशक ने बताया कि हमारे यहां ई-रिक्शा की 5 रेंज में मौजूद है, जोकि काफी किफायती दर पर दिया जा रहा है। माइलेज के बारे में बताया एक बार बैटरी चार्ज करने पर 100 किलोमीटर चलता है और इसकी बैटरी का बैकअप भी बहुत अच्छा है और जो सबसे बड़ी बात यह हमारे यहां फाइनेंस की सुविधा भी हमारे यहां उपलब्ध है। यह बनारस में हमारा पहला शोरूम है।

चंदवक के अंबेडकर बस्ती में मनाई गई अंबेडकर जयंती, निकाली गई शोभायात्रा

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय बाजार के अंबेडकर बस्ती मे बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।चंदवक बाजार के सभी प्रमुख सड़को पर निकाला गया शोभायात्रा चंदवक बाजार के अंबेडकर बस्ती में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा बाबा साहेब के मूर्ति पर माल्यार्पण कर पूजापाठ किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वर्तमान विधायक तुफानी सरोज बसपा पार्टी के सभी वरिष्ठ प्रतिनिधि एंव कार्यकताओं द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मे बढ़चढं कर हिस्सा लिया। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के पूर्व संसाद वर्तमान विधायक तुफानी सरोज।पूर्व ब्लॉक प्रमुख जयप्रकाश राम.गोपाल शर्मा. लालबहादुर लाले प्रधान रसड़ा. दिनानाथ भाष्कर. रामसहारे यादव पूर्व प्रधान. दिनेश कुमार प्रधान बगेरवा.गुड्डू राम समाजसेवी. छेदी राम .चंदवक ब्यापार मंडल अध्यक्ष शेरा सोनकर. गुड्डू यादव. सुरेश कुमार. गौरव सेन.जीत बहादुर गौतम. इत्यादि हजारों की संख्या में लोगो का हुजूम मौके पर रहा मौजूद।

जब प्यार चढ़ा परवान तो प्रेमी पहुंचा प्रेमिका के घर, आत्महत्या करने की कोशिश

प्रखर अदलहाट मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित युवती के घर पहुंच कर चंदौली जिले के मुगलसराय नई बस्ती निवासी एक 42 वर्षीय युवक जो पहले से ही शादीशुदा है जिसकी पत्नी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका है एवं युवक को एक 16 वर्षीय बालक भी है। उसने प्यार में पागल होकर हंगामा करते हुये आग लगाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं होने दिया ।बताया जाता है कि है कि युवती की शादी कहीं और तय हो गई है। जिससे युवक ने अपना आपा खो दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती के घर युवक रात में ही घुस गया । इसके बाद आधी रात से ही युवक युवती की शादी कहीं और करने को लेकर घर वालों से उलझते हुए हंगामा शुरू कर दिया । घर वालों ने अपने स्तर से युवक को काबू करने की कोशिश की पर इसमें कामयाब नहीं हुए इसके बाद ग्रामीणों की अलसुबह ही घर के आसपास भीड़ लग गई । हंगामा कर रहा प्रेमी छत की बालकनी में आकर खुद के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आत्महत्या करने की कोशिश करने लगा। आसपास एवं गांव के लोगों ने घटना के बाद स्थानीय पुलिस व फायर सर्विस को सूचना दी, तहसील प्रशासन, पुलिस एवं फायर सर्विस ने तत्परता दिखाते हुए हंगामा कर रहे युवक को आत्महत्या करने से रोकते हुए उसे अपने काबू में कर पकड़ा, आधी रात से चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। स्थानीय पुलिस हंगामा कर रहे युवक को पकड़ कर थाने लाकर उसके घर वालों को सूचना देते हुए। खबर लिखे जाने तक कानूनी कार्रवाई कर रही थी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं